



अंतरिक्ष से लौटे भारत के लाल शुभांशु लहराया भारतीय गर्व का परचम

ड्रैगन यान की सफल लैंडिंग के साथ एक्सओम-4 मिशन की वापसी पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार को एक्सओम-4 मिशन के अंतर्गत 18 दिन के अंतरिक्ष प्रवास के बाद सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स का ड्रैगन यान उन्हें लेकर कैलिफोर्निया के तट से सटे प्रशांत महासागर में शांत लहरों के बीच मंगलवार को सुरक्षित स्लैशडाउन के साथ उतरा। शुभांशु की वापसी के साथ ही लखनऊ से लेकर, संपूर्ण भारत में गर्व और उल्लास की लहर दौड़ गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ निवासी शुभांशु की सकुशल वापसी की खबर मिलते ही उनके घर पर उत्सव का माहौल बन गया। माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। उनके पिता ने भावुक होते हुए कहा, वह सिर्फ हमारे बेटे की नहीं, भारत के हर उस सपने की जीत है, जो अंतरिक्ष को छूना



चाहता है।

विशेषज्ञों ने सराहा, युवाओं को मिला नया आदर्श

इस ऐतिहासिक अवसर पर इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के. सिवन ने कहा,

यह एक व्यक्ति की नहीं, भारत की वैज्ञानिक दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता की उड़ान है। एक्सओम-4 मिशन में शुभांशु शुक्ला के साथ अमेरिका और यूरोप के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री भी शामिल थे। इस मिशन ने भारत को उस मुकाम पर पहुंचा दिया है, जहां

वह केवल रॉकेट लॉन्च करने वाला देश नहीं, बल्कि मानव अंतरिक्ष अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने वाला देश भी बन चुका है।

युवाओं के लिए संदेश

स्पेस यात्री शुभांशु की धरती पर हुई वापसी ने न सिर्फ देश को गौरवान्वित किया, बल्कि देश के युवाओं के भीतर नई प्रेरणा का संचार किया है। एक साधारण भारतीय परिवार से निकलकर वैश्विक अंतरिक्ष मंच तक पहुंचना दशार्ता है कि संघर्ष, समर्पण और स्वप्न-यदि सच्चे हों, तो आकाश भी सीमा नहीं। जय हो, भारत के अंतरिक्ष वीर! शुभांशु शुक्ला की इस ऐतिहासिक वापसी ने भारत को एक बार फिर आसमान से जोड़ दिया है, इस बार यह गर्व और आत्मविश्वास की नई ऊंचाई है।

दिल्ली में भाजपा के चारों इंजन फेल : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को विफल करार देते हुए कहा कि स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है जिससे बच्चे डरे सहमें हुए हैं और अभिभावक चिंतित है। आप ने एक्स पर कहा, भाजपा की चार इंजन सरकार दिल्ली की जनता को सुरक्षा देने में है फेल। कल दो स्कूलों को बम की धमकी के बाद, आज एक और स्कूल को बम की धमकी दी गई है, लेकिन गृह मंत्री अमित शाह बिहार में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुला अपने मंत्रियों के साथ फ़िल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में ये क्या हो रहा है? कल दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और आज एक और स्कूल और कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं, अभिभावक बेहद चिंतित हैं। भाजपा की चार-चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।

भारत का आतंकवाद के मामले पर चीन को सख्त संदेश, कहा लागू हो हज़ीरो टॉलरेंस की नीति

नई दिल्ली, एजेंसी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक से ठीक चौबीस घंटे पहले यानी भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बीजिंग में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें जयशंकर ने अपने चिर-परिचित अंदाज के साथ साफ शब्दों में चीन को आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई भारत की जीरो टॉलरेंस(शून्य सहिष्णुता) की नीति को न केवल स्पष्ट कर दिया। बल्कि ड्रैगन से भी मामले पर अपनी जैसी समान नीति को ही बनाए रखने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा हम दोनों एससीओ फॉर्मेट की विदेश मंत्रियों की बैठक में मिलेंगे। जिसका प्रार्थमिक मैंडेट आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से मुकाबला करना ही है। यह मामला समूह की एक साझा चिंता भी है। इस दृष्टिकोण से भारत उम्मीद करता है कि आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति समूह में कड़ाई के साथ लागू होगी। इसके अलावा जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच 2020 के मध्य में हुए एलएसी विवाद के संबंध में तनाव घटाने के लिए डी-एक्ससेलेशन (सीमा पर तनाव को कम करना) पर ध्यान केंद्रित पर बल दिया। दोनों के बीच वैश्विक और घरेलू मुद्दों पर भी चर्चा हुई। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने 14 जुलाई को एक बयान जारी कर दी। बताते चलें कि विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर हैं। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर का दौरा किया था। चीन के विदेश मंत्री



से पहले जयशंकर ने चीन के उप-राष्ट्रपति हान झोंग के साथ मुलाकात की थी।

आतंकवाद के बहाने चीन संग पाक को संदेश

जानकारों का मानना है कि एससीओ की बैठक से ऐन पहले आतंकवाद के मामले पर भारत का रुख साफ करने के पीछे विदेश मंत्री जयशंकर की मंशा बीते जून महीने में चीन में हुई समूह के रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद जारी किए जाने वाले संयुक्त घोषणापत्र में जानबूझकर पहलगाम आतंकी हमले की घटना को शामिल न करने की चीन-पाकिस्तान की नापाक मिलीभगत पर लगाव लगाने की कोशिश का हिस्सा हो सकती है। जिससे भारत के दोनों निकट प्रतिद्वंद्वी देश समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले इस संबंध में जरूरी सबक हासिल कर सकें। एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले के बाद की गई भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला ऐसा मौका होगा। जब भारत, पाकिस्तान और चीन के विदेश मंत्री एससीओ के मंच पर एक-साथ मौजूद रहेंगे। बैठक से इतर जयशंकर की समूह के बाकी भागीदार देशों के अपने समक्ष मंत्रियों, प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें होंगी। लेकिन पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशक डार के साथ डॉ.जयशंकर की ऐसी किसी बैठक की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले में पाक समर्थित टीआरएफ के आतंकियों ने कुल 26 निर्दोष नागरिकों की बड़ी ही बेरहमी से उनका धर्म पूछकर हत्या कर दी थी।

कुतुबमीनार से 42 मीटर ऊंचे पुल 32 टनल होकर गुजरेगी ट्रेन

रेलवे ने मिजोरम में सैरंग से बैरबी तक बिछाई नई रेल लाइन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे पूर्वोत्तर के मिजोरम में ट्रेन का सफर शुरू करने जा रही है। रेलवे ने मिजोरम में सैरंग से बैरबी तक नई रेल लाइन बिछाई है। सैरंग आइजोल से करीब 21 किमी दूर है, वहीं, बैरबी असम सीमा के पास है। इस ट्रेक पर ट्रेन का ट्रायल पूरा हो चुका है। जल्द ही इस नए रेल रूट से ट्रेन चलना शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही आइजोल पूर्वोत्तर की चौथी राजधानी बन जाएगी, जो रेल लाइन से कनेक्ट हो जाएगी। यह ट्रेक करीब 51 किमी लंबा है, लेकिन इस छोटे सफर में यात्रियों को भरपूर आनंद मिलेगा। इस लाइन पर 32 टनल हैं। छोटे-बड़े मिलकर 87

ब्रिज और अंडरपास हैं। इस लाइन की खास बात यह भी है कि एक पुल कुतुबमीनार से 42 मीटर ऊंचा है, जहां से ट्रेन गुजरेगी। इससे सफर के दौरान आपको हवा में ट्रेन चलने का अहसास होगा। जिरिबाम इंफाल और दीमापुर जुबजा (कोहिमा) तक रेल लाइन तैयार हो रही है, जल्द ही इस पर भी ट्रेन चलने लगेगी। अरुणाचल, त्रिपुरा और मणिपुर पहले से रेल लाइन से कनेक्ट हो चुके हैं। आइजोल चौथी राजधानी बनेगी। पूर्वोत्तर वैसे भी हरा भरा है। टनल और ब्रिज का सफर अपने आप में खास होगा। आइजोल ट्रेन से कनेक्ट होने के बाद दिल्ली से ट्रेन से पहुंचा जा सकता है। इस तरह पूर्वोत्तर के इस राज्य में आना जाना आसान हो जाएगा। इस तरह फ्लाइट के मुकाबले सफर भी सस्ता हो जाएगा। रेल कनेक्टिविटी से मिजोरम के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर तक पर्यटकों की पहुंच आसान होगी। इस परियोजना का भविष्य में म्यांमार सीमा तक विस्तार करने की योजना है, जिससे सीमा पार व्यापार और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

जान चली गई पर न्याय नहीं मिला: भुवनेश्वर में छात्रा की मौत पर राहुल गांधी ने कानून व्यवस्था पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। न्याय के लिए एक छात्रा ने गुहार लगाते लगाते जान दे दी पर उसे न्याय नहीं मिला। फकीर मोहन स्वशासी महाविद्यालय में एक शिक्षक द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद आत्महत्या करने वाली सौम्यश्री बीसी की सोमवार देर रात मौत हो गई। कांग्रेस सांसद और विपक्षी नेता राहुल गांधी ने इस पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। राहुल-गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत, सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई – लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अमानुश किया गया। उन्होंने आगे लिखा, जिन्हें उसकी रक्षा करनी



थी, वही उसे तोड़ते रहे। हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा – और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। मोदी जी, ओडिशा हो या मणिपुर – देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं। और आप? खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी गुपी नहीं, जवाब चाहिए। भारत की बेटियों को सुरक्षा और इंसाफ चाहिए। उल्लेखनीय है कि बालेश्वर के भोगराई प्रखंड के पलासिया गांव में सौम्यश्री का पार्थिव शरीर पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया।

मायावती ने भतीजे आकाश को सौंपी कमान, बिहार में होगी पहली परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी में दलितों की सबसे मजबूत आवाज रही बहुजन समाज पार्टी आज अपना अस्तित्व खोती जा रह है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 1 सीट पर सिमट चुकी बसपा अब 2027 के मिशन में जुट गई है। मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को फ्रंटफुट पर लाकर पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। सवाल यह है कि क्या बसपा 2027 में सत्ता में वापसी कर पाएगी? बता दें मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक बना दिया है। आकाश को मई में अचानक पार्टी में वापस लिया। अब उन्हें तीन राष्ट्रीय समन्वयकों के ऊपर काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। यह पद विशेष रूप से आकाश के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही वह पार्टी में दूसरे नंबर के नेता बन गए हैं। अब यह प्रश्न उठ रहा है कि आकाश आनंद बसपा के लिए मजबूरी क्यों बनते जा रहे हैं जबकि लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था। बसपा आज यूपी में हाशिए पर है। हालांकि पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में



12 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल किए थे, जो उसे फिर से खड़ा होने की संभावना को दर्शाते हैं। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा को मात्र 9.39 फीसदी वोट मिले जो खतरे का संकेत है। आकाश को फिर से आगे लाने का फैसला इस संकेत के रूप में देखा जा सकता है कि पार्टी युवा, ऊर्जा और नए समीकरणों के सहारे खुद को दोबारा खड़ा करना चाहती है। बसपा की सबसे बड़ी दिक्कत घटना जनाधार और जमीन पर कमजोर होती पकड़ है। पार्टी का दलित वोट बैंक बीजेपी और सपा में शिफ्ट हो गया है वहीं मुस्लिम सपा में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। साथ ही नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण का दलित वोटरों पर बढ़ता प्रभाव भी बसपा के लिए खतरा है।

दुबई के भारत मार्ट पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव: बोले: भारत का विरोध किसी देश से नहीं, आतंकवाद से है

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव अपनी विदेश यात्रा के तीसरे दिन आज (मंगलवार को) दुबई की लीडिंग लॉजिस्टिक्स कंपनी द्वारा संचालित भारत मार्ट पहुंचे। भारत मार्ट भारतीय एमएसएमई प्रोडक्ट्स को वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्लेटफार्म बन रहा है। यहाँ सीएम मप्र की एमएसएमई यूनिट्स को भारत मार्ट से जोड़ने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। वहीं सोमवार को दुबई में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत का विरोध किसी देश से न होकर आतंकवादियों से है। सीएम दुबई की लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दुबई से स्पेन की राजधानी मैड्रिड के लिए रवाना होंगे, जहां वे मध्यप्रदेश की वैश्विक निवेश यात्रा को नए आयाम देने के उद्देश्य से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सोमवार को विदेश यात्रा के दूसरे दिन सीएम ने दुबई में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम के सत्र को संबोधित करते हुए कहा- उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहनकारी नीतियों का लाभ देने के साथ ही नीतियों से हटकर भी अतिरिक्त सुविधाएं देने का काम किया जाएगा। सीएम ने दुबई के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में पर्यटन, टेक्सटाइल और एमएसएमई सहित अन्य सेक्टरों में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

दुबई में भारतीय मूल के उद्यमी विकास में सहयोगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता यह है कि उद्यमी केवल धन संग्रहित न करें, बल्कि उस धन को उद्यम में लगाकर अपने व्यवसाय को और बढ़ाएं। इससे व्यापार कई गुना बढ़ जाता है। व्यापार को यह समझ दुबई के उन उद्योगपतियों में है जो भारतीय हैं और इस देश के विकास में विशेष सहयोगी हैं। टेक्समास टेक्सटाइल क्षेत्र देखकर सुखद अनुभव हुआ है, यहां योजना पक्ष की श्रेष्ठता देखने को मिली है। यह मॉडल मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास रहेगा।



मप्र के दरवाजे सबके लिए खुले : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सभी सेक्टर के निवेशकों का स्वागत कर रहा है। हम इसी उद्देश्य से दुबई आए हैं। केंद्र और राज्य सरकार गरीब से गरीब की ज़िंदगी बेहतर करने के लिए काम कर रही है। उद्योगपतियों के आगे बढ़ने के पीछे भारतीय संस्कृति और खान-पान की बड़ी भूमिका है। मध्यप्रदेश के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। राज्य सरकार दीर्घकालिक प्रगति के उद्देश्य से कार्य कर रही है।

सीएम ने बताया दुबई और भारत का पुराना संबंध : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा भारत के साथ दुबई के परस्पर प्रगाढ़ व्यापारिक संबंध हैं। दुबई का इतिहास देखें तो 19वीं सदी में यह मत्स्य पालन और मत्स्य आखेट का प्रमुख केंद्र रहा है। वर्ष 1950 से 1970 के मध्य तेल की उपलब्धता ने इस क्षेत्र को बदल दिया। आज दुबई गगनचुम्बी अट्टालिकाओं के कारण जाना जाता है। यूएई की वर्तमान दशा में विश्व बंधुत्व का भाव भी शामिल है। वस्तुतः यह भारतीय दर्शन है। अरब के इस क्षेत्र ने हमारी भावना को अंगीकार किया है। यहां बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं जो कहीं भी जाकर समरस हो जाते हैं। अधिकांश बड़े आईआईटी या

आईआईएम से शिक्षित नहीं हैं लेकिन उनकी ज़िंदगी के अनुभव इन डिग्रियों से महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुबई में भारत के मसालों की महक और व्यंजन का लाभ लेने का भी अवसर मिला इसकी कोई तुलना नहीं है। अब मेट्रो और बुलेट ट्रेन दुबई की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धन दौलत के साथ मन का प्रेम भी महत्वपूर्ण है। यहां बसे भारतीयों से ऐसा ही स्नेह मिला। दुबई पर ईश्वर का विशेष आशीर्वाद भी देखने को मिलता है।

भारत का विरोध किसी देश से नहीं बल्कि आतंकवादियों से है : मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते दौर में डिजिटल युग से दुनिया छोटी हो गई है। बिना हिले-डुले करोड़ों का व्यवसाय किया जा सकता है। यही परिवर्तन युद्ध क्षेत्र में भी देखने को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह दुनिया को दिखा दिया कि हम शत्रु के घर में घुसकर उसे मार सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जीयो और जीने दो का संदेश भी दिया है। भारत का विरोध किसी देश से न होकर आतंकवादियों से है।

फूड चेन सप्लाई से मप्र दुबई के संबंध मजबूत होंगे : सीएम डॉ.यादव ने कहा कि

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से वर्ष 2025 तक दुबई के साथ द्वि-पक्षीय संबंध विकसित किए हैं। गरीबों को सम्पन्न बनाने के लिए व्यापार की समझ होना चाहिए। इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी ने 90 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी फ्री करने का काम किया। दुबई से उन्होंने दुनिया के द्वार खोले जो एक उदाहरण हैं। आज अन्य देश भी दुबई मॉडल के साक्षी बन रहे हैं। सीएम ने कहा कि फूड चेन सप्लाई से लेकर अन्य क्षेत्रों में मध्यप्रदेश के दुबई से मजबूत संबंध रहेंगे। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले दस वर्ष में बदल गई है। भारत जहां 11वें स्थान पर था अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा है। एविएशन सेक्टर में टाटा संस्थान ने मजबूती प्रदान की है। भारत में भी मेट्रो और बंदेभारत से आगे बढ़कर अहमदाबाद से मुम्बई के मध्य बुलेट ट्रेन शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का सोना जो अन्य देशों में था उसे वापस लाने का बड़ा कार्य भी किया है। इस तरह भारत की साख बढ़ाने का कार्य सक्षम प्रधानमंत्री श्री मोदी जी कर रहे हैं।

अउर संजय दुबे ने कहा- उज्जैन में GMT से पहले समय की गणना होती थी : सीएम के संबोधन से पहले विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि भारत तकनीकी क्षेत्र में तेजी से अग्रणी बन रहा है। मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में टेक्नोलॉजी की लहर चल रही है। इंदौर और भोपाल जैसे टियर-2 शहरों में तकनीकी प्रतिभा और आधारभूत संरचना दोनों उपलब्ध हैं। मध्यप्रदेश में ईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ ड्रिंग बिजनेस, स्वच्छ वातावरण, ट्रांसपोर्टेशन समय में कमी, तकनीकी दक्ष युवा सहित कई सुविधाएं मौजूद हैं, जो राज्य को देश में तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी बनाती हैं। मध्यप्रदेश आईटी और संबंधित क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और निवेशकों को वित्तीय और गैर वित्तीय सुविधाएं देने के लिए 5 नीतियां लागू की हैं। मध्यप्रदेश जल्द ही स्पेस्टेक नीति लागू करने जा रहा है।

एमपी में अब तक 18 इंच बारिश

डैम ओवरफ्लो, नदियां उफनीं, बाढ़ के हालात; 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब तक 18 इंच बारिश हो चुकी है। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, मंडला, श्योपुर, सिवनी, उमरिया, छतरपुर समेत कई जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-दुकानों से लेकर अस्पताल तक में पानी भर गया। वहीं, नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर रही। मंगलवार को भी 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। प्रदेश में 16 जून से मानसून पंटर हुआ था, तभी से तेज बारिश का दौर चल रहा है। इस वजह से कोटे की आधी बारिश हो चुकी है। निवाड़ी में तो 103% तक पानी गिर चुका है। मंडला, टीकमगढ़ में भी बारिश का कोटा 75% तक फुल हो गया है। अगले 4 दिन यानी 18 जुलाई तक तेज बारिश का दौर चलेगा।



गुना

शिवपुरी में अटल सागर डैम के 6 गेट खोले, श्योपुर में बाढ़ : सोमवार को मंडला में 9 घंटे में 2 इंच बारिश हो गई। वहीं, खरगोन में डेढ़ इंच पानी गिरा। टीकमगढ़-उमरिया में आधा इंच बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, दतिया, गुना, ग्वालियर, इंदौर, रतलाम, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, जबलपुर, खजुराहो, सागर, सिवनी, सीधी, बालाघाट, सीहोर, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, राजगढ़, विदिशा समेत कई जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहा। शिवपुरी जिले में अटल सागर मड़ीखेड़ा बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। इसी के चलते सोमवार सुबह साढ़े 6 बजे बांध के 6 गेट खोल दिए गए। करीब 1500 क्यूमेक पानी छोड़ा गया है। श्योपुर जिले के विजयपुर में क्वारी नदी का जलस्तर बढ़ने से आगरा जाने वाला रास्ता बंद हो गया। वहीं, बड़ौदा में बाढ़ जैसे हालात रहे। यहां दुकानों-मकानों के अलावा अस्पताल में भी पानी भर गया। शिवपुरी जिले के रनौद क्षेत्र में भी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यहां कई लोगों के घरों में पानी भर गया। टीकमगढ़ में मकान गिर गया। इससे 3 भैंसों की मौत हो गई। मंडला में आधे घंटे की तेज बारिश से पानी घर-दुकानों में घुस गया। रायसेन में उफनते नालों के बीच मड रैली हुई। जिसमें गाड़ियां दौड़ाई गई। भोपाल में दोपहर में तेज बारिश का दौर चला।

देश के विकास में उत्तर भारतीयों का योगदान : विद्यार्थी संगठित समाज का ही विकास होता है : महापौर सिंह



उत्तरप्रदेश-बिहार महासंघ की बैठक संपन्न, पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी योजना बनी

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर

www.tripuritimes.com

भारत के विभिन्न प्रदेशों में ही नहीं अपितु विश्व के सभी देशों में उत्तर भारतीयों ने अपनी मेहनत से अपना स्थान बनाया है। उन्होंने देश के विकास में भी बड़ा महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उत्तर भारतीयों ने अपनी पीढ़ियों को परंपराओं से जोड़ रखा है। आज संपूर्ण विश्व में छठ पूजा उत्तर भारतीयों की पहचान बनी है। उक्त विचार शहर प्रवास में आए बिहार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कौशल कुमार विद्यार्थी ने उत्तरप्रदेश बिहार महासंघ की बैठक में व्यक्त किये। बैठक में नगर निगम अध्यक्ष रिकू विज, पूर्व निगम अध्यक्ष राजेश मिश्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शहर विकास के साथ संस्कृति को बढ़ावा : महापौर

उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ के संरक्षक एवं महापौर जगत बहादुर सिंह अनु के संरक्षण में उनके कार्यालय नगर निगम परिसर में आयोजित इस कामकाजी बैठक में महापौर ने बताया कि दो दशक से भी अधिक समय से मैं उत्तरप्रदेश बिहार महासंघ से जुड़ा हूँ। मैं उत्तर भारतीयों रिणी हूँ कि मुझे सेवा करने का अवसर दिया। संस्कारधानी में पहली बार छठ पूजा स्थलों पर साथ सजावट की गई। मेरा प्रयास है कि शहर विकास के साथ-साथ उत्तर भारतीय संस्कृति और उनके विकास में अपना योगदान दे सकूँ।



साहू ने सुनाएं संस्मरण

बैठक में विशेष रूप से पधारे मध्य प्रदेश तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष रविकरण साहू ने उत्तरप्रदेश-बिहार महासंघ के आंदोलनों के संस्मरण को सुनाया। साथ ही संगठन के विकास में अपना योगदान देने का आश्वासन दिया।

ये रहे उपस्थित

बैठक में उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ के संरक्षक जीपी विश्वकर्मा, संयोजक डॉ राजेश जायसवाल, अध्यक्ष बनारसी यादव, महिला संरक्षक सुनयना जायसवाल, अध्यक्ष प्रीति त्रिपाठी, महामंत्री अन्नु सिंह, कोषाध्यक्ष प्रिया सिंह, युवा अध्यक्ष प्रोफेसर उज्जवल सिंह, मंडल अध्यक्ष सपन यादव, एमएस सिंह, अमेन्द्र नारायण, रमाकांत मिश्रा, डॉ सलपनाथ यादव, ब्रिज किशोर



सिंह बिहारी, शैलेश सिंह, रामाधार यादव, राजेंद्र यादव, अजय उपाध्याय, एडवोकेट शारदा यादव, अवधेश सिंह यादव, सुकेश दास, संजय साहू, डॉ नीतू सिंह, श्रीमती गीता टंडन, श्रीमती पूनम साहू, श्रीमती संगीता उपाध्याय, श्रीमती श्वेता सिंह



कलेक्टर ने किया राइस मिलर्स की जिज्ञासाओं का समाधान

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

राइस मिलर्स द्वारा उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही के संबंध में आज कलेक्टर दीपक सक्सेना से मुलाकात की। इस दौरान कलेक्टर श्री सक्सेना ने राइस मिलर्स की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कहा कि शासन के निर्देश पर जो जांच हुई है वह पूर्णतः निरपेक्ष ढंग से हुई है। उक्त जांच के परिप्रेक्ष्य में जो कार्रवाई की गई है वह तर्क पूर्ण एवं न्याय संगत आधार पर की गई है। इसके बावजूद यदि किसी मिलर्स को कुछ कहना है, तो वह अपनी बात रख सकता है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि जो मिलर्स उक्त जांच अथवा कार्रवाई के संबंध में अपनी बात रखना चाहते हैं वह शनिवार एवं रविवार को परीक्षण दल के समक्ष उपस्थित होकर



अपनी बात रख सकते हैं। जिस पर आवश्यकतानुसार विधिसम्मत ढंग से विचार किया जा सकेगा।

मोर पंखों से सजे बड़े महावीर स्वामी हनुमान

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

श्रावण मास में जहां भगवान शिव के नित नूतन श्रृंगार किए जा रहे हैं वहीं जबलपुर संस्कारधानी के मध्य बड़े



फुहारा में मराठा कालीन हनुमान जी महाराज के श्रीविग्रह का श्रावण मास में मंगलवार को नवीन श्रृंगार की परंपरा अति प्राचीन है। परंपरागत बड़े महावीर स्वामी के सेवक आशीष पुजारी ने मंगलवार को मोर पंखों से मनमोहक श्रृंगार किया। भक्त मंडल ने हनुमान चालीसा, संकटमोचन हनुमानाष्टक का पाठ कर षोडशोपचार पूजन अर्चन आरती कर भक्तों का दर्शन करने लगातार भीड़ लगी रही।



विश्वविद्यालय में अनियमिताओं को लेकर एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में नियम विरुद्ध प्रोफेसर पद पर नियुक्ति एवं पक्षपातपूर्ण परीक्षा व्यवस्था, मूल्यांकन कार्य में हो रहे भ्रष्टाचार समेत अन्य अनियमिताओं के विरोध में एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा कुल सचिव को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई ने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद पर नियुक्ति में नियमों का उल्लंघन किया गया है और परीक्षा व्यवस्था में पक्षपात किया जा रहा है उन्होंने कहा कि एक नर्सिंग स्टाफ को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर प्रोफेसर पद पर नियुक्त किया गया है और उन्हें परीक्षा कार्यों में भी शामिल किया जा रहा है, जो कि उनके शैक्षणिक विषय से भिन्न है। देवकी पटेल ने मांग की है कि इस नियुक्ति की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए और जांच पूरी होने तक उन्हें किसी भी प्रकार के परीक्षा कार्य से विलग रखा जाए। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे इसे प्रदेशव्यापी छात्र आंदोलन के रूप में उठाएंगे और छात्र हितों की लड़ाई निर्णायक स्तर तक ले जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के रिजवान अली कोटी, प्रदेश सचिव अद्वान अंसारी, प्रतीक गौतम, अनुराग शुक्ला, एजाज अंसारी, रियाज अली, शुभम चौधरी, शफी खान, अनिकेत, रवींद्र, सुमित, अंकित, उपस्थित थे।



जिक्रे शहादतेन का एहतेमाम हुआ

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा मुजावर मोहल्ला कादरी नगर में 'मदन महल दरगाह के मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी की सदारत में गत रात्रि 'जिक्रे शहादतेन' का एहतेमाम किया गया। इस महफिल में शहर वरिष्ठ शायरों ने अपने कलाम और अशआर पेश कर समां बांध दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शायर अल्हाज शेख निजामी, असलम माजिद जबलपुरी, डॉक्टर सैय्यद मकबूल अली कादरी, इजहार आलम, बासित अली कादरी, शकील दिलकश, हाफिज असद करबलाई और आसिफ रजा सहित कई अन्य शायरों ने शिरकत की।

संभागायुक्त सिंह ने की सीएम हेल्पलाइन और निर्माण कार्यों की समीक्षा

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की। जिसमें सीएम हेल्पलाइन, निर्माण कार्य, मातृवंदना योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास राजेश दीक्षित सहित सभी संभागीय अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान संभागायुक्त सिंह ने सीएम हेल्पलाइन में न्यून प्रदर्शन वाले अधिकारियों से कहा कि इसमें सतत मानीटरिंग कर प्रगति लायें और प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। साथ ही निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपूर्ण निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करावें। उन्होंने कहा कि यदि निर्माण कार्य पूर्ण करने संबंधी कोई समस्या आती है तो जिला स्तर पर कलेक्टर द्वारा आयोजित समीक्षा बैठकों में इसका त्वरित निराकरण करावें। बैठक में अनुकंपा नियुक्ति, लंबित पेंशन प्रकरण के निराकरण, छात्रावासों में प्रवेश एवं संचालन की



समीक्षा की गई। संभागीय उपायुक्त को निर्देशित किया कि वे सभी सहायक आयुक्त एवं विभागीय अमले के माध्यम से इस माह समस्त छात्रावासों का निरीक्षण सुनिश्चित कराएं। मातृ वंदना योजना के संबंध में जिला स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित हो। इस दौरान संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ने बताया कि मातृ वंदना योजना में कम प्रगति पर संबंधित सीडीपीओ को नोटिस भी जारी कर इस दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिये गये हैं। संभागायुक्त सिंह ने सभी अधिकारियों से विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य हेतु निर्देशित किया गया।

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने रेल अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

संरक्षा सम्बन्धी अभियानों, अधोसंरचना कार्य एवं ट्रेन पंक्चुरेलिटी पर हुई चर्चा

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में को-ऑर्डिनेशन रियु मीटिंग सम्पन्न हुई। बैठक में सेपटी तथा तीनों मंडलों में चलाये जा रहे विशेष संरक्षा सम्बन्धी अभियानों, पंक्चुरेलिटी, रेलगाड़ियों के सुरक्षित परिवालन पर जोर देने पर बात हुई। इसके साथ ही अधोसंरचना कार्यों पर विस्तार से चर्चा की साथ ही निर्माण कार्यों में तेजी लाने और समयसीमा में पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि संरक्षा पश्चिम मध्य रेलवे की प्राथमिकता है। उन्होंने ने संरक्षा एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने संरक्षा से सम्बंधित सुधारों को योजनाबद्ध तरीके से पालन करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही रेलपथों, वेल्डों के अनुरक्षण मानकों को बेहतर बनाने तथा मानसून के तहत संरक्षा के मानकों के दिशा-निर्देशों के नियमों



का पालन सुनिश्चित करने जैसे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रेलगाड़ियों की पंक्चुरेलिटी मॉनिटर करने, एवं ट्रेनों की स्पीड सबंधी कार्यों तथा सेपटी पर जोर देने की बात कही। मीटिंग के दौरान महाप्रबंधक ने पेंसेंजर, गुड्स (लोडिंग) तथा सेंड्री (नॉन फेयर रियेन्स) आर की समीक्षा करते हुए कहा कि ओरजिनेटिंग रेलवेयु बढाने की दिशा में कारगर उपायों पर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। साथ ही यात्री सुविधाओं के तहत रेल मदद एनालिसिस पर विशेष जोर देने की जरूरत है। उन्होंने मंडलों को निर्देश दिए कि वे रेलगाड़ियों के सुरक्षित परिवालन के लिए संरक्षा अभियानों का अनुपालन सुनिश्चित करें और जहां भी जरूरी हो वहां कर्मचारियों को परामर्श दें। उन्होंने कहा कि सिग्नलों, रेल फ्रेक्चरों और रेल वेल्डों की वार्षिक निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने रेल परिवालन में मानव बिफलता के साथ साथ एस्टेट फेलियर को कम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रेल दुर्घटनाएं न हो इसके लिए इच्छा पर सतर्क रहें

साथ ही समय पर रेल परिवालन में उपयुक्त सभी एसेट्स की जाँच सुनिश्चित करें। साथ ही महाप्रबंधक ने तीनों मण्डल पर कैपिटल एक्सपेंडिचर (केपेक्स) का अधिकतम उपयोग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री एवं प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रवीन खोराना, प्रमुख मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर एम विजय कुमार, प्रमुख मुख्य दूरसंचार एवं संकेत इंजीनियर एननाथ मोहनकर, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कुशांत सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर आशुतोष, प्रभान वित्त सलाहकार सुमनजीत कौर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस डी पाटीदार, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मुकेश, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त राजीव कुमार यादव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एम, एस हाशमी सहित मुख्यालय के अन्य विभाग के प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम जबलपुर आगमन पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत करे कार्यकर्ता : राकेश सिंह

भाजपा के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का प्रथम आगमन 19 जुलाई को

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

भारतीय जनता पार्टी की सबसे प्रमुख पहचान उसकी संगठन संरचना है और संगठन के अध्यक्ष को हम परिवार का मुखिया मानते हैं, ऐसे प्रदेश संगठन के मुखिया मप्र भाजपा के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम जबलपुर आगमन 19 जुलाई को होने जा रहा है, और भाजपा परिवार के सदस्य होने के नाते हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि उनके आगमन पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत हो, यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष के आगमन की तैयारियों के संदर्भ



में आयोजित भाजपा नगर और ग्रामीण जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कही। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने बैठक में बताया नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल जी का 19 जुलाई को आगमन होगा, और जिले में प्रवेश के बाद मार्ग पर उनका स्वागत हमारे कार्यकर्ता करेंगे। इसके बाद मानस भवन राइट टाउन में प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं को संबोधित

श्री हनुमान गढ़ी मे पौधारोपण

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

जिले के ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम जमतारा में महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि के हस्ते "श्री हनुमान गढ़ी मंदिर" परिसर में श्रावणमास के प्रथम सोमवार को विल्वपत्र के पौधों का "पौधारोपण" किया गया। इस अवसर पर डा.विवेक तिवारी, पूर्व लै, कर्नल जितेन्द्र सिंह चौहान (डिप्टी डायरेक्टर महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय, जबलपुर), दीपक द्विवेदी, अश्विनी कुमार सहित कथा व्यास श्री राधावाचार्य एवं अन्य स्थानीयों की उपस्थिति में पौधारोपण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने कहा कि-पेड़-पौधे, लता-गुल्म



हमारे जीवन धन हैं। कटते पेड़, उजड़ते वनों के कारण मानव सहित जीव मात्र का जीवन संकट में होता जा रहा है अतः पर्यावरण संरक्षण के साथ पौधारोपण के अभियान में हम सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, हर व्यक्ति

संकल्प लें कि- मैं अपने हाथों से कम से कम 10 पौधारोपण कर "पर्यावरण संरक्षण अभियान"को सफल और प्रभावी बनाऊंगा, मैं अपनी मित्र मण्डली के प्रत्येक मित्र की पर्यावरण मित्र बनने की प्रेरणा दूंगा।

भगवान शंकर की उपासना और आराधना का पवित्र मास श्रावण : स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

शिव भक्त की समस्त लौकिक और पारलौकिक अभिलाषाओं की पूर्ति सदाशिव भूत-भावन भगवान शंकर अपने आराधक की उसकी श्रद्धा,भक्ति और समर्पण से कर देते हैं। भगवान शंकर की उपासना/आराधना के बड़े सरलतम विधान शास्त्रों में मिलते हैं। केवल महादेव शब्द के उच्चारण मात्र से ही भोलेनाथ प्रसन्न होकर अपने भक्त की अभीष्ट सिद्धि कर देते हैं। शंकर भगवान के अनेक नामों में एक नाम आशुतोष है। इस नाम का अर्थ है "आशु माने शीघ्र" --"तोष"माने प्रसन्न" शीघ्र प्रसन्न हो जाने वाला "आशुतोष भगवान" और वो हैं सदाशिव शंकर। भगवान शंकर को प्रसन्न करने के उपायों में श्रावण मास में उनकी उपासना/आराधना और उनके गुणानुक्तन का माहात्म्य समग्र शिव साहित्य में मिलता है। भगवान शंकर की महिमा का गायन करने वाला समृद्ध ग्रन्थ महर्षि वेदव्यास प्रणीत अष्टाध पुराणों में परिगणित "शिव महापुराण"और"नर्मदा महापुराण" गीता प्रेस, गोरखपुर से प्रकाशित उपलब्ध है। श्रावण मास पर्यंत उसका स्वाध्याय अवश्य करना चाहिये। भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा अत्यंत रोचक एवं प्रत्येक दिन सायं-प्रातःद्वादश ज्योतिर्लिंग का उच्चारण ससज्जमकृत पापं स्मरणेन दिनश्रयति द्वादश ज्योतिर्लिंगों के स्मरण का यह सामर्थ्य है। भगवान शंकर अपने चतुर्विध (चार प्रकार के भक्तों का)कल्याण करते हैं- वे चार प्रकार के भक्त "आर्त भक्त", "जिज्ञासु भक्त" अर्थार्थी भक्त", "ज्ञानी भक्त अर्थात् "मोक्ष कामी भक्त" -इन सभी श्रेणी के भक्तों का हित भोलेनाथ भगवान सदाशिव करते हैं। भगवान शंकर अपनी उपासना/आराधना और पूजा का अधिकार सभी को समान रूप से देते हैं-देवता और दैत्य दोनों ही भगवान शिव की आराधना करते हैं। पुष्पदन्त नामक गन्धर्व ने अपने शिव महिम्न स्तोत्र में शिव महिमा का सुमधुर गायन किया है। पवित्र श्रावण मास में गन्धर्व राज पुष्पदन्त कृत शिव महिम्न स्तोत्र का गायन प्रत्येक शिवालय और सनातन धर्मावलम्बी शिवोपासक के घर में अवश्य होना चाहिए। धर्म ग्रन्थों में वर्णन आता है। जलधारा शिवप्रियः भगवान शंकर को अनवरत गतिमान जलधारा बहुत प्रिय है। समुद्र मंथन के प्रसंग में एक बड़ी रोचक कथा मिलती है- जब देवता और दैत्य मिलकर समुद्र मंथन करते हैं तब चौदह रत्नों में सद्गन्धर्व विष निकलता है, उस "हलाहल" को न देवता लेने को तैयार होते हैं न ही दैत्य,तब भगवान सदाशिव शंकर ने उसे स्वीकार किया उस समय उनका नाम हुआ विषपायी भगवान शंकर ने उस जहर को अपने कण्ठ में धारण कर लिया तब उनका नाम हुआ नीलकण्ठ भगवान- इन्हीं अनेक विशेषताओं के कारण भगवान शंकर को देवाधिदेव महादेव* कहा जाता है। आये हम मिलकर *पवित्र श्रावण मास में विभिन्न रीति से देवाधिदेव महादेव की आराधना का पावन व्रत लें, और अपनी मनोकामना पूर्ति का वरदान सदाशिव भोलेनाथ से प्राप्त करें।



शिव परिवार जैसे आपसी सामंजस्य से रहना सीखें - स्वामी नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर

www.tripuritimes.com

पवित्र श्रावण मास में शिवार्चन करते- करते एक सूत्र और सीखने योग्य है। भगवान महादेव की गृहस्थी के दर्शन करते हुए विचार करें कि कितने विरोधाभासी लोग भी बड़ी शांति से इस परिवार में रहते हैं। सबकी प्रकृति अलग-अलग है फिर भी सब शांति से रहते हैं। माँ पार्वती का वाहन शेर है और शिवजी का नंदी है। वृषभ शेर का भोजन है, लेकिन यहाँ कोई वैर नहीं है। कार्तिकेय जी का वाहन मोर है और शिवजी के गले में सर्पों की माला है। मोर और सर्प भी जन्म जात शत्रु हैं, लेकिन यहाँ ये प्रेम पूर्वक एक साथ ही रहते हैं। गणेश जी का वाहन चूहा है और चूहा भी सर्प का भोजन है। इस परिवार में सब शांति, सद्भाव और निर्वैर जीवन जीते हैं। वैचारिक भिन्नता के कारण सम्भव है आपकी घर में किसी से न बने। घर में मतभेद हो जाए कोई बात नहीं, मनभेद नहीं होना चाहिए। सबसे प्रेमपूर्ण व्यवहार करना सीखें, हमारा घर भी शिवालय बन सकता है। उक्त उद्गार महाराज ने नर्मदेश्वर महादेव के रूद्राभिषेक, षोडशोपचार पूजन अर्चन आरती में कहे। पूजन अर्चन आरती में आचार्य रामफल शास्त्री ,कामता गौतम , प्रतिभा विध्वेश भापकर, संतोष दुबे, अभिषेक उपाध्याय, लालमणि मिश्रा, रामजी पुजारी,ब्रम्हचारी हिमांशु ,प्रियांशु सहित भक्त जनो की उपस्थिति रही। नरसिंह मंदिर में प्रतिदिन परम पूज्य महाराज जी के सानिध्य में प्रातः काल 10 बजे से महारुद्राभिषेक पूजन आयोजित किया गया है।



इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, प्रदेश मंत्री नंदनी मरावी, जपि अध्यक्ष आशा गोंटिया, पूर्व विधायक शरद जैन, अंचल सोनकर, हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, डॉ जितेंद्र जामदार, रविकरण साहू, प्रभात साहू, रिकू विज, दीपांकर बैनर्जी, राजा मोर, राममूर्ति मिश्रा, अरविंद पाठक, एस के मुद्दीन, पंकज दुबे, रजनीश यादव, राजेश दाहिया मंचासीन थे।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर अभय सिंह, कैलाश साहू, जय सचदेवा, रोहित जैन, अंजु भार्गव, तृष्णा चटर्जी, रंजीत पटेल, प्रणीत वर्मा, संतोषी ठाकुर, रेणु कोरी, डिंपी विश्वकर्मा, कमलेश राजन, योगेंद्र सिंह, रूपा राव, अभिनव यादव, शिवा चौधरी, श्रीकांत साहू, रवि शर्मा के साथ मंडल अध्यक्ष महामंत्री प्रकोष्ठ संयोजक के साथ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वास्थ्य बनाम स्वाद: समोसा और जलेबी से सावधान!

-ललित गर्ग-

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुककड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसे ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या ज़रूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नम्बर पर है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैन्सरकारी तत्व (एंक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फेटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य



पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा। कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है। मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुस्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकोड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को केफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर तेल और चीनी के चेतावनी बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरुआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों

पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से जीरो ऑयल की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। घर में जंक फूड बंद करें, बच्चों को ताजे फल, सूखे मेवे, अंकुरित अनाज दें। रोगों से नहीं, आदतों से लड़ें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है। कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़ें होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुआ फिट इंडिया मूवमेंट सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का संदेश है। यह देश को बीमारियों के बोझ से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम है। इस आंदोलन में लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि स्वस्थ व्यक्ति ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

फिट इंडिया अभियान में ज्यादा ईमानदारी की जरूरत है और साथ ही, शुद्ध भोजन के लिए जिम्मेदार सरकारी महकमों को ईमानदारी से ज्यादा सचेत एवं सावधान होना पड़ेगा। आज अनेक प्रकार के विदेशी व्यंजन भी बाजारों में उपलब्ध हैं, इनमें से ज्यादातर व्यंजनों में मैदा, तेल, कृत्रिम रंग और रसायन का खतरनाक उपयोग हो रहा है। ऐसा कतई नहीं लगना चाहिए कि केवल भारतीय व्यंजनों को निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात, खाने और बनाने वालों, दोनों को जागना होगा। अनेक हलवाइयों की दुकानों पर एक ही तेल का बार-बार प्रयोग, खराब या गलत सामग्रियों का इस्तेमाल तत्काल रुकना चाहिए।

आज जरूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियाँ बीमारियों से जूझती रहेंगी। तो आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि तेल कम करेंगे, चलना बढ़ाएंगे, जीवन को लंबा और स्वस्थ बनाएंगे! विशेषतः व्यापारियों, रेस्तरांट मालिकों एवं हलवाइयों के लिये सरकार को कड़े प्रावधान बनाने होंगे। पैसा कमाने के चक्कर में देश के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को खुला नहीं छोड़ना चाहिए। जब दूध और पनीर की गारंटी न हो, तब हमें सोचना पड़ेगा कि केवल चेतावनी से सुधार नहीं आने वाला। गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक



ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कायं बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकॉरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई

और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्यूमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनेदेने में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनेशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता को लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है। 2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर

कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओत ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकॉरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्त्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वेंशन इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरीकें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। ह्यामजवा-ए-हिंदहू जैसे डिजिटल प्रोपेगंडा प्लेटफॉर्म पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कटुपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं। भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल

फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उपरावी संगठनों की डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूट्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वयं में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें ह्वाई रिस्क जॉनहू की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजैक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए। डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है।

संपादकीय

अदालत की खरी-खरी

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-रकम) को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध को उच्चतम न्यायालय ने खास तवज्जो नहीं दी है, लेकिन कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग के भी कान उमेट दिगू गए हैं। न्यायालय ने आयोग को इस प्रक्रिया को पूर्ण करने से तो नहीं रोका लेकिन कहा कि किसी मतदाता की नागरिकता की जांच करना आयोग का नहीं अपितु गृह मंत्रालय का काम है। आयोग को इस प्रक्रिया में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करना चाहिए। पुनरीक्षण के समय पर भी न्यायालय ने सवाल उठाया। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधायसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले पुनरीक्षण की जरूरत क्या थी। हालांकि एसआईआर को संवैधानिक

कृषि को टिकाऊ बनाने हेतु मृदा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता: डॉ. जी.के.कौतु

जनेकृविवि में विश्व युवा कौशल दिवस पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ



त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग और आसा, भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में टिकाऊ खेती विषय पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी. के. कौतु के मुख्यआतिथ्य, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. अनीता बब्वर की अध्यक्षता एवं डॉ. वरन सिंह वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, आसा, भोपाल के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर डॉ. जी. के. कौतु ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि को टिकाऊ बनाने हेतु मृदा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

देने की आवश्यकता है। खासकर पूर्वी मध्यप्रदेश के क्षेत्रों में जहां लगभग 5 लाख हेक्टेयर क्षतिरत भूमि होने के साथ-साथ लगभग 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल रबी को मौसम में परती रह जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इन क्षेत्रों की मुदाओं के स्वास्थ्य में सुधार करके राष्ट्रीय भण्डार में समाधान की आपूर्ति की जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. अनीता बब्वर ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की भागदारी बढ़ती जा रही है। जिसे उपरिष्ठत प्रशिक्षणार्थियों में देखा जा सकता है। आपने मृदा स्वास्थ्य के साथ-साथ दलहन फसलों पर जोर दिया, तथा इसे कृषि के टिकाऊ होने में महत्वपूर्ण बताया। मृदा विज्ञान एवं कृषि

रसायन शास्त्र विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. एच. के. राय ने कृषि को टिकाऊ बनाए रखने हेतु मृदा एवं जल संरक्षण की प्राथमिकता पर बल दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. बी. एस. द्विवेदी ने दी। डॉ. बरन सिंह, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, आसा, भोपाल ने कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं जनेकृविवि के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन शोध छात्र गायत्री तुरकर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. जी. एस. टैगोर, वैज्ञानिक द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र के अवसर पर डॉ. ए. के. उपाध्याय, डॉ. राकेश साहू, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. फूलचंद अमूले, डॉ. किरण पटेल डॉ. शैलू यादव सहित विभाग के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस समूचे कार्यक्रम को सफल बनाने में मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. ब्रजेश दीक्षित और डॉ. के. के. त्रिवेदी, आसा, भोपाल का विशेष योगदान है।



स्वदेशी जागरण मंच व स्वावलम्बी भारत अभियान, जिला-जबलपुर का जिला विचार वर्ग सम्पन्न

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्वदेशी जागरण मंच व स्वावलम्बी भारत अभियान, जिला-जबलपुर द्वारा एक दिवसीय जिला विचार वर्ग आज दिनांक-13 जुलाई, 2025 को सम्पन्न किया गया, जिसमें दो सत्रों के चार खंडों में विषय रखे गए। प्रवेश सत्र के प्रथम खंड में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय पर्यावरण टोली सदस्य श्री राधेवेंद्र प्रताप सिंह चंदेल जी, प्रान्त संयोजक श्री अलोक सिंह चौहान जी, प्रान्त विचार प्रमुख श्री राकेश तिवारी जी, हिन्दू जागरण मंच के प्रान्त संगठन मंत्री श्री अम्बालाल जी, सहकार भारती के सुगंध मासिक पत्रिका प्रमुख श्री यतीश जैन जी अतिथियों सहित स्वदेशी जागरण मंच के महानगर संयोजक योगेश मिश्रा मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि श्री चंदेल जी द्वारा स्वदेशी का इतिहास, महत्व एवं वर्तमान संदर्भ में इसकी उपादेयता पर प्रकाश डाला गया। प्रवेश सत्र के द्वितीय खंड में मुख्य अतिथि राकेश तिवारी जी, प्रांत विचार प्रमुख, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी के संदर्भ में "ग्लोबल मार्केट फॉरसेज" किस तरह अवरोध बन रहा है, इस विषय से अवगत कराया गया, जिसमें भारतीय किसान संघ के प्रान्त संगठन मंत्री श्री भरत पटेल जी, सेवा भारती के आत्माराम जी, एकल अभियान के महाकोशल प्रान्त अभियान प्रमुख श्री रामस्वरूप जी व सामाजिक व पर्यावरण "कदम संस्था" के संस्थापक श्री योगेश गनोरे जी अतिथियों के साथ स्वदेशी जागरण मंच, महानगर जबलपुर के सह संयोजक श्री मोहित वर्मा जी, जबलपुर महानगर महिला प्रमुख सुश्री शुभांगी सोनी जी बहन जी मंचासीन रहे। द्वितीय/समान सत्र के प्रथम खंड में जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्री प्रेम दुबे जी द्वारा उद्घातिता एवं स्वरोजगार तथा उसके संदर्भ में किए गए कार्यों का उल्लेख किया गया। ज्ञान गंगा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रविंद्र क्षीरसागर द्वारा इनक्यूबेशन केंद्र एवं स्वावलंबिता से विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ की जानकारी प्रदान की गई। जबलपुर व हिंदवाड़ा विभाग के संगठक श्री आकाश जी द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म उठऊऊ के विषय में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में युवा उद्यमियों श्री अलोक सोनी, डॉ. सीमा अग्रवाल, श्रीमती हरदीप कौर, श्रीमती सोनिया वाकुलकर, श्री पंकज सेन को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। सत्र में लघु उद्योग भारती के प्रान्त अध्यक्ष श्री रवि मिश्रा जी, एकल अभियान ग्राम स्वराज, हथकरघा, हस्तशिल्प के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय जैन जी, स्वदेशी जागरण मंच के प्रान्त कृषि आयाम प्रमुख श्री प्रताप पटेल जी भी मंचासीन रहे।

जनेकृविवि में आयु 147 आवेदन

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड और अन्य अधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों ने अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर 147 आवेदन दिये। जिसमें 115 नये आवेदन हैं तथा 32 ऐसे आवेदन हैं जो पूर्व में भी आ चुके थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर राजस्व संबंधी, लड़ाई-झगड़ा, छत्रवृत्ति भुगतान, पानी, नाली निर्माण, आर्थिक सहायता, पीपम किसान योजना में नाम जोड़ने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, शिक्षा, समग्र आईटी, चिकित्सा सहायता, पेंशन, संबल राशि दिलाने, आवास योजना का लाभ दिलाने, बीपीएल कार्ड बनवाने आदि से संबंधित आवेदन थे।

संगीतमय श्री मद शिव महापुराण का आयोजन 25 जुलाई से कौड़िया में



अशोक विश्वकर्मा/ गाइरवारा। भगवा-भोलेनाथ को सबसे प्रिय मास श्रावण में भक्त अपनी भक्ति से शिव जी को प्रसन्न कर शिव कृपा प्राप्त करने जगह जगह शिव कथा का आयोजन कर रहे हैं। इसी धार्मिक श्रृंखला में कौड़िया में ग्राम गत वर्ष की भाति इस वर्ष भी पंडित प्रदीप जी मिश्रा सीहोर वालो के कृपापात्र

पंडित हिमांशु तिवारी बांसखेड़ा वालों के मधुर कंठ से शिव कथा सुनने का अहसर मिल रहा है। कथा श्री राम जानकी मन्दिर में दिनांक 25 जुलाई से 31 जुलाई तक रोजाना दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक रखी गई हैं। आयोजन का शुभारंभ भय कलश यात्रा से होगा। जो कि 25 जुलाई की सुबह 10 बजे से निकली जायेगी। वही शिव भक्तो द्वारा प्रतिदिन रुद्री निर्माण कर अभिषेक एवं पूजन किया जायेगा। उक्त धार्मिक कार्य में आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से शामिल होकर पुण्य अर्जित करने का अनुरोध किया हैं।

चीचली में बीपीएमयू बैठक संपन्न

अशोक विश्वकर्मा/ गाइरवारा। विगत दिवस चीचली विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकासखंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में बी आर सी चीचली डी के पटेल ने सभी विद्यालयों में डेको क्लब का गठन कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करना, चाईल्ड ट्रैकिंग ऐप के माध्यम से शाला में नामांकित एवं शाला से बाहर के 6 से 18 आयु वर्ग के छात्रों का सर्वे करना, गणवेश हेतु छात्रों के बैंक खाते एजुकेशन पोर्टल 3.0



पर अपडेट करने, एक एल एन मेला का आयोजन, मेटैरिंग, बैगलेस डे की गतिविधि आयोजित करना, एक एल एन अभ्यास पुस्तिका पर कार्य इत्यादि बिंदुओं पर

विस्तृत निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित बीएससी अरुण दुबे तथा एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव ने विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने, शाला संचालन में नियमितता, नवोदय विद्यालय वयन परीक्षा के फॉर्म भरने, मैपिंग प्रोफाइल अपडेशन तथा यू डाइस पोर्टल पर कार्य संबंधी चर्चा की। नवभारत साक्षरता सह समन्वयक लेखराम गौतम तथा सत्यम ताम्रकार द्वारा ने ग्राम बसाहट में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, अक्षर साधियों का विन्हांकन, सामाजिक चेतना के संचालन तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात की। प्रभारी एमआरसी अजय नामदेव द्वारा दिव्यांग छात्रों के यूडीआईडी कार्ड बनवाने एवं उनको मिलने वाली सुविधाओं से अवगत कराया। इस बैठक में बीएससी अरुण दुबे, एमआईएस दीपक श्रीवास्तव, लेखपाल खुशबू छिजपुरिया, अभिषेक पाराशर, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, संजय सोनी, ललित पाराशर, हेमंत पटेल, हरीश गुप्ता, हरिओम रथापक, देवकरण रजक, वीरेंद्र रघुवंशी, संजय सिंह राजपूत, नेतराम कौरव, कैलाश कहार इत्यादि की उपस्थिति रही।

सी.एम. हेल्प लाइन में प्राप्त प्रकरणां का समय सीमा पर निराकरण न कराने वाले अधिकारियों को निगमायुक्त ने लगाई कड़ी फटकार सभी अधिकारियों को शिकायतों का अध्ययन करने और स्वतः कार्यवाही करने निगमायुक्त की कड़ी हिदायत

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

सी.एम. हेल्प लाइन के प्रकरणों की समीक्षा बैठक में आज निगमायुक्त ने तीखे तैवर दिखते हुए शिकायतों पर हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने बैठक में कहा कि सभी अधिकारी दो दिन के अंदर शिकायतों का अध्ययन करें और व्यक्तिगत रूप से सही कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आगे अब कोई लापरवाही बर्दास्त नहीं की जायेगी। जिन अधिकारियों के द्वारा लापरवाही की जाती है, उन अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। इस

बात की हिदायत आज निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बैठक के दौरान सभी अधिकारियों को दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही करने वाले अधिकारी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। समीक्षा बैठक के दौरान पी.पी.टी. के माध्यम से विभागवार प्रचलित एवं विचाराधीन शिकायतों की जानकारी से अधिकारियों को अवगत कराया। इसके उपरांत निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा सभी अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा गया कि सी.एम. हेल्प लाइन में प्राप्त प्रकरणों पर तथ्य के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करें और परीक्षण प्रमाण स्वरूप कार्यालय में प्रस्तुत कर नस्तीबद्ध कराएँ। समीक्षा

बैठक के दौरान निगमायुक्त ने जबाव प्रतिवेदन से संतुष्ट नजर नहीं आई और जबाव प्रस्तुत करने वाले विभागीय प्रमुखों के प्रति नाराजगी जाहिर की और निर्देशित किया कि कोई भी कार्रवाई में वैधानिक पहलुओं और तथ्यों को देखते हुए उसका निराकरण सुनिश्चित कराएँ तथा उसका पालन प्रतिवेदन भेजना आवश्यक रूप से सुनिश्चित करें। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने सभी विभागीय प्रमुखों को संतुष्टि के साथ 95 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण करने निगमायुक्त ने अधिकारियों को दिया तीन दिन का अटलीमेट। बैठक में समस्त विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

आवारा मवेशियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विधानसभा क्षेत्रवार लगाई गयी कर्मचारियों की ड्यूटी

नागरिकों की जानमाल की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा एक आदेश जारी कर नगरीय निकाय क्षेत्रों में विधानसभावार आवारा मवेशियों के पर प्रभावी नियंत्रण रखने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गयी है। इसके लिए निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा अपर आयुक्त को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है तथा यह भी आदेशित किया है कि सभी कर्मचारी फायर अग्नीशेक कुसाग्र ठाकुर के निर्देशन में कार्य संपादित करेंगे। ड्यूटी के संबंध में नोडल अधिकारी व्ही.एन. बाजपेयी ने बताया कि नगर निगम सीमाअंतर्गत स्थित मुख्य मार्गों, चौराहों एवं यातायात सघन क्षेत्रों में वाहनों की निबाध अवस्था आवाजाही सुनिश्चित करते हुए सुसंगत यातायात व्यवस्था बनाए रखना निगम की जिम्मेदारी है। नगरीय क्षेत्र में आवारा मवेशियों जैसे - गाय, सांड, बैल, भैंस, बछड़े एवं बड़िया आदि की अनियंत्रित गतिविधियों न केवल यातायात में बाधा उत्पन्न करती है, अपितु नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा को भी गंभीर जोखिम में डालती है, इसकी रोकथाम एवं आवारा मवेशियों पर प्रभावी नियंत्रण करने विधानसभा क्षेत्रवार ड्यूटी निर्धारण करते हुए प्रत्येक कार्यक्षेत्र में हॉका कार्रवाई हेतु पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शिव प्रसाद लोधी मोबाइल नम्बर 9752578128, केंद्र विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रमोद कुमार मोबाइल नम्बर 9907777248, उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ओमप्रकाश दुबे मोबाइल नम्बर 7440541828, एवं पूर्व एवं पनागर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ओमप्रकाश यादव मोबाइल नम्बर 7694071426 की ड्यूटी प्रातः

08: बजे से दोपहर 02 बजे तक लगाई गयी है। इसी प्रकार पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ऋतुरंजन मोबाइल नम्बर 7879077931, केंद्र विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सुरेन्द्र राजपूत मोबाइल नम्बर 9302981506, उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हरीश मलिक मोबाइल नम्बर 6267932021, एवं पूर्व एवं पनागर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संतोष यादव मोबाइल नम्बर 9584255742 की ड्यूटी सायं 06 बजे से रात्रि 12 बजे तक ड्यूटी लगाई गयी है। उन्होंने बताया कि ये कर्मचारी आउटसोर्स हॉका कर्मियों की टीम का पर्यवेक्षण एवं समन्वयन करते हुए अपने क्षेत्र में सक्रिय कार्रवाई करेंगे। समस्त कर्मचारी अपने निर्धारित ड्यूटी समय एवं क्षेत्र में सतत उपस्थित सुनिश्चित करते हुए, आउटसोर्स हॉका टीम के समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे। आवारा मवेशियों की धरपकड़, नियंत्रण एवं सुरक्षित परिवहन हेतु यथासमय प्रभावी कार्रवाई करेंगे। पकड़े गए मवेशियों में से गाय, भैंस, बछड़े, बड़िया आदि को नगर निगम द्वारा संचालित गौ-सेवा केंद्र-कॉजीहौस में भेजे एवं सांड, बैल आदि को निगम सीमा से बाहर, जहाँ प्राकृतिक जल स्रोत एवं हरी घास, चारा उपलब्ध हो सुरक्षित एवं सुदूर स्थलों पर छोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि सहायक अग्निशमन अधिकारी निलेश पाटीदार हॉका कार्रवाई हेतु प्रभारी अधिकारी तथा राजेन्द्र पटेल गौ-सेवा केंद्र-कॉजी हौस व्यवस्था हेतु प्रभारी अधिकारी होंगे। उन्होंने बताया कि दोनो प्रभारी अधिकारी प्रभारी अग्निशमन अधिकारी कुसाग्र ठाकुर के निर्देशन में कार्य को संपादित करेंगे।

गोवंश संरक्षण : लाइली बहना की तर्ज पर लाइली गोमाता योजना बनाए सरकार

स्वामी अखिलेश्वरानंद ने कहा हाईटेक गोशाला और स्मार्ट गोशाला हो जाएंगी फेल

गोवंश संरक्षण का आधार

प्राकृतिक समीकरण हो, प्रदेश में प्राकृतिक समीकरण का मूलभूत आधार बहुत अच्छ है

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने प्रदेश की सड़कों पर घायल (मृत) गोवंश के प्रति दुःख व्यक्त करते हुये कहा- मध्यप्रदेश शासन के वर्तमान-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव "वाला वंश" से हैं, उनकी गो निष्ठा और गोभक्ति असंदिग्ध है किन्तु "पशुपालन विभाग सहित प्रदेश के स्थानीय निकायों के जिम्मेदार अधिकारी शासन के निर्देशों का सही ढंग से क्रियान्वयन और अनुपालन नहीं कर रहे हैं। प्रदेश की सड़कों तथा नेशनल हाईवे पर गोवंश भारी संख्या में बेसहारा हो इतस्ततः भटक रहा है। द्रुत गति से भागते यांत्रिक वाहनों की चपेट में आकर ऐसा गोवंश घायल और बेमौत काल कर्वात हो रहा है। विशेष तौर पर ध्यान दें तो सागर, जबलपुर और रीवा सम्भागों में (बुंदेलखंड -बघेलखंड इलाके में गोवंश की "नेशनल हाईवे तथा ग्रामीण सड़कों एवं नगरीय क्षेत्र में दुर्दशा हो रही हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण कीचड़ होने के कारण "गोवंश सूखी सड़कों पर स्वयं आश्रय ढूँढ़ रहा है और हादसे का शिकार हो रहा है। मग गो संवर्द्धन बोर्ड की कार्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि का कहना है कि- मैंने सदैव मध्यप्रदेश सरकार के प्रशासनिक अधिकारियों को तथा शासन के वरिष्ठों को गो संवर्द्धन बोर्ड की बैठकों में गोवंश संरक्षण हेतु सार्थक सुझाव दिया है कि- "हम आप सभी मिलकर गोवंश की भलाई के लिये प्राकृतिक समीकरण के आधार पर बुद्ध कार्ययोजना बनायें- गोवंश को जंगल के साथ सम्बद्ध करें-गायों(गोवंश) को जंगल का आश्रय दें। प्रदेश में दो-तीन बड़े प्रयोग"प्रकल्प" गोवंश संरक्षण की दिशा में सफल और प्रभावी रूप से संचालित हैं- रीवा जिले का बसानम मामा में "गोवंश वन्य विहार"। आगर मालवा जिले में सुसनेर तहसील अन्तर्गत "सालरिया"में संचालित "कामधेनु गो



अभयारण्य"तथा ग्वालियर जिले में "रानी घाटी" का एक गो संरक्षण का बड़ा केंद्र। दुःख इस बात का है कि- बावजूद इसके हम (हमारी वर्तमान सरकार के मुखिया) हाईटेक गोशाला और स्मार्ट गोशाला के वक्कर में पड़कर नगर निगम द्वारा संचालित गोशालाओं को प्रोत्साहित करने में अपनी ताकत झोक रहे हैं, मैं इसे प्रारम्भिक तौर पर वर्थ का परिश्रम

मानता हूँ। सुष्टि के आरम्भिक काल से ही एक प्राकृतिक समीकरण "प्रकृति और मूक प्राणियों के मध्य स्थापित और कार्यरत हैं, उस और हमारा ध्यान ही नहीं जा रहा है। गायों(गोवंश)का भोजन जंगल में और जंगल का आहार गोवंश के पास, इस प्राकृतिक समीकरण की प्रशासनिक अधिकारियों सहित शासन के वरिष्ठ नेतागण तक अनदेखी कर रहे हैं। वित्त विभाग वित्त का रोना रोकर "गो संवर्द्धन बोर्ड"के प्रस्तावों तक को वापस कर देते हैं जबकि-वित्त विभाग, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग, संस्कृति और पर्यटन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग(मनरेगा), पंचायत विभाग, जंगल विभाग ये सभी मध्यप्रदेश गो संवर्द्धन बोर्ड के स्थायी सदस्य(ट्रस्टीज)हैं, फिर भी "प्राकृतिक समीकरण" के आधार पर "गोवंश संरक्षण की सकारात्मक व सार्थक योजना की उपेक्षा तथा प्रशासनिक दृढ़ इच्छा शक्ति का अभाव देखा जा रहा है। मैं थोड़े कड़वे शब्दों में अभिव्यक्त करता हूँ अपना दर्द- लाइली बहना, योजना के लिये हजारों करोड़ रुपया का कर्ज लिया जाकर उसे जारी रखने की प्रतिबद्धता जरूरी इसलिये लागी है कि-लाइली बहना चुनवाों में वोट देगी- "गाय बेचारी वोट नहीं देगी", हमें यह भूलना नहीं चाहिए -"संरक्षित गाय(गोवंश) राजनैतिक दृष्टि से प्रवण्ड जनमत निर्माण करने में अपना बहुमूल्य योगदान करती है अतः मध्यप्रदेश शासन के गौनिष्ठ गोभक्त मुखिया से अपेक्षा की जाती है, आप "गोवंश के संरक्षण हेतु आप "लाइली गोमाता योजना बनायें" जिसका आधार "प्राकृतिक समीकरण हो" प्राकृतिक समीकरण का मूलभूत आधार प्रदेश में बहुत अच्छ है। मैंने पूर्व सरकार में बोर्ड के दायित्व निर्वहन काल में प्रदेश में "गोवंश संरक्षण की अनेक सम्भावनायें तलाशी हैं केवल प्रदेशमें "गोवंश वन्य विहार" विकसित कीजिये।

प्रशिक्षण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाते है : सुनयना जायसवाल

जनकल्याण न्यास महिलाओं को दे रहा निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जनकल्याण न्यास के तत्वावधान में जयप्रकाश नगर स्थित मंगलम दुर्गा मंदिर में महिलाओं के लिए निःशुल्क ब्यूटी पार्लर कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का संचालन समर्पित श्रीमती अरुणा दीदी द्वारा किया जा रहा है, जो अपने अनुभव व दक्षता से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयासरत हैं।

मंगलवार को दुर्गा मंदिर में आयोजित विशेष कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सुनयना जायसवाल (संपादिका, त्रिपुरी टाइम्स) रहीं, जिन्होंने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जनकल्याण न्यास



महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। इस तरह के प्रशिक्षण सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए इस योजना को मूर्त रूप दिया। कार्यक्रम की सुचारू व्यवस्था एवं मंदिर परिसर की

एडवोकेट सीमा साहू द्वारा तैयार की गई, जिन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, व्यवस्था और महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए इस योजना को मूर्त रूप दिया। कार्यक्रम की सुचारू व्यवस्था एवं मंदिर परिसर की

सुविधा उपलब्ध कराने में मीना राय का विशेष योगदान रहा। उन्होंने पूरे आयोजन में अत्यंत समर्पण और सेवा भाव से सहयोग किया, जिसके कारण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

कैंटोनमेंट प्रशासन ने कहा धार्मिक आयोजनों में निशुल्क मिलेगा शिवाजी ग्राउंड

शिवाजी मैदान को लेकर धार्मिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों ने किया जंगी प्रदर्शन

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शिवाजी ग्राउंड को धार्मिक आयोजनों के लिए निशुल्क करने की मांग को लेकर कैंटोनमेंट प्रशासन के खिलाफ बाजार बंद कराने मगलवार को सुबह विभिन्न संगठनों श्री धनुष यज्ञ रामलीला समिति एवं एवं स्वामी गंगा प्रसाद तिवारी बाजपेई, अखाड़े के साथ भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल, बजरंग दल, कांग्रेस, सदर बाजार की सभी धार्मिक सामाजिक एवं गणेश उत्सव दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारी रामलीला मैदान में एकत्रित हुए और कैंट बोर्ड प्रशासन के खिलाफ नारेबजी करते हुए शिवाजी ग्राउंड पहुंचे। यहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प हुई। गौरतलब है कि कैंट बोर्ड प्रशासन ने 2016 के एक स्वीकृत प्रस्ताव को भी परिवर्तन करते हुए फरवरी 2025 में स्पेशल बोर्ड बैठक कर शिवाजी मैदान में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन



पर रेंट निर्धारित को लेकर उपजे विरोध में रामलीला समिति व अन्य संगठनों के आह्वान पर मंगलवार को सदर बाजार बंद रहा। पूर्व कैंट बोर्ड उपाध्यक्ष अभिषेक चौकसे का कहना है कि मौखिक आश्वासन पर यह कैसे मान लिया जाए कि बोर्ड प्रशासन ने अब निर्धारित किया गया शुल्क वापस ले लिया है। प्रक्रिया के तहत तो कैंट बोर्ड प्रशासन को पुन स्पेशल बैठक आयोजित कर रजुलेशन पास करना चाहिए। इसलिए जब तक शिवाजी ग्राउंड को दशहरा, दंगल एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के निः शुल्क किए जाने का लिखित प्रस्ताव पास नहीं हो

जाता आंदोलन को जारी रखा जाएगा। इसके पश्चात सभी प्रदर्शनकारी धरने पर बैठ गए धार्मिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों के संयुक्त प्रयास का फल यह हुआ की शाम को कैंट प्रशासन ने बात मानी एवं लिखित में एक पत्र जारी कर बताया गया कि धार्मिक आयोजन हेतु शिवाजी ग्राउंड का आवंटन विगत वर्ष की भांति यथावत रखा जाएगा जिसे आगामी बोर्ड मीटिंग में रखकर पारित किया जाएगा। प्रदर्शन में दिनेश यादव, आलोक मिश्रा, सजय यादव, अंतर्राष्ट्रीय बजरंग दल के कन्हैया तिवारी सहित अनेक धर्मगुरु उपस्थित रहे।

विश्व युवा कौशल दिवस पर व्याख्यान का आयोजन अकएवं डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा बनें सशक्त

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्वामी विवेकानंद केंरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सिलेंस, शासकीय महाकोशल स्वराशी महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा आज विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद केंरियर मार्गदर्शन योजना ने कहा कि वर्तमान युग में विद्यार्थियों को डिग्री के साथ-साथ रिकलड होने हेतु शासन द्वारा लगातार कौशल विकास के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। अक्षर्य डिजिटल कौशल के माध्यम से

युवा सशक्त बनें। डिजिटल कौशल आज के युग का आवश्यकता ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए सफलता की कुंजी बन चुकी है। डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स, सोफ्टवेयर डेवलपमेंट के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं। प्राचार्य डॉ. अलोकेश चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रम एवं स्वामी विवेकानंद केंरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में कौशल विकास हेतु विभिन्न ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जाता है विद्यार्थी उसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। जो विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा ख़ास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाज़ाकी प्रीफ़ेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में है. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ़्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.



बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की ख़ास बात ये है कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मक़सद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.



हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसनेस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुर्मेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले में लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीतर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चींटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंडों की 10 से 14



दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत और्यंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता है और जिस जगह यह गिरता है उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता है। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑनगेल या स्वदेशी करेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नैटिव जिसका अर्थ होता है सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेंट के नाम पर रखा गया है जिनका नाम जिमी एंजेल था। एंजिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल है।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उड़ान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑनगेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरु भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरु नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह और्यंतपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एंजिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन्न आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एंजिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती है जिसमें पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता है। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित है और स्त्रुदाद बोलिवर या पुपरा ऑर्डोज से कैनिमा शिविर तक पहुंचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी है।

एंजिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंबर के महीनों में होती है। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगुना हो जाता है। जबकि दिसंबर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता है। आप पहाड़ियों पर चढ़ने का अनुभव भी

कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती है। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं। वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के



चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध है। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता है, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका है। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलों को छू लेता है जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा है। एंजिल वाटर फाल्स और्यंतपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात है। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित है। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित है जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब है। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योटो ऑर्डोज से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योटो ऑर्डोज से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिड़कियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित है। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर है। एंजेल वाटर फाल्स और्यंतपुई नामक एक पर्वत पर स्थित है। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक है कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुएं के रूप में बदल जाता है और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाइमा नेशनल पार्क में स्थित है।



पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायेंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता है

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की है जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उड़ान भरने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया है। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नहीं किया। उनकी ईशानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालांकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहा की मैं इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नहीं कर सकता।



सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग



किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टरस का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है. इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं. बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी युरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई ख़ास मात्रा नहीं है.



दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाए हैं. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्हीं में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो

ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

दीपिका पादुकोण के 8 घंटे शिफ्ट वाले मामले पर बोले अनुराग बसु

निर्देशक अनुराग बसु, इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' को लेकर खबरों में बने हुए हैं। अनुराग की ये फिल्म साल 2007 में आई 'लाइफ इन अ... मेट्रो' का सीक्वल है। 'मेट्रो... इन दिनों' की कहानी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर भी ये फिल्म अच्छा रिसांस कर रही है। ऐसे में अब अनुराग बसु ने बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के 8 घंटे की शिफ्ट की डिमांड पर रिएक्ट करते हुए अपनी राय बताई और उनका समर्थन किया। इन दिनों दीपिका पादुकोण के 8 घंटे के काम की शिफ्ट की मांग को लेकर इंडस्ट्री में एक लंबी बहस छिड़ गई है। दीपिका की मां का बॉलीवुड के कई स्टार्स जैसे सोनाक्षी सिन्हा, नेहा धूपिया और विक्रान्त मैसी ने अपना समर्थन दिया। दरअसल, दीपिका पादुकोण की बेटी दुआ के जन्म के बाद सामने आई इस मांग ने इंडस्ट्री में मां बनने के बाद अभिनेत्रियों के काम करने के हालात को लेकर एक गरमागरम बहस छेड़ दी है। कथित तौर पर निर्देशक संदीप रेड्डी बांगा ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया था, जिसके कारण दीपिका ने फिल्म छोड़ दी निर्देशक अनुराग बसु ने फस्टपोस्ट को अपना इंटरव्यू दिया।

इस दौरान बात करते हुए अनुराग ने कहा कि वो पूरी तरह से दीपिका पादुकोण की बात से सहमत हैं। अनुराग ने कहा, 'मुझे भी काम पर लंबे समय तक शिफ्ट करना पसंद नहीं है। मेरे कलाकार कभी भी काम के लंबे घंटों या तनाव की शिकायत नहीं करते। इसलिए, मैं दीपिका पादुकोण की बात से पूरी तरह सहमत हूँ। यह एक फिल्म है, मैं अपने कलाकारों को इस पर शिकायत करने का मौका नहीं देता।' अनुराग ने ये भी कहा कि वो चाहते हैं कि उनके कलाकार सेट पर 'बहुत खुश' रहें और अपने किरदारों को अच्छी तरह समझें बस।

रीम शेख ने बताया क्यों रिजेक्ट किया बिग बॉस

कलर्स के रियलिटी शो लापर शेक्स में नजर आ रही रीम शेख की दोस्त जन्त जुबेर हाल ही में प्राइम वीडियो के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में गई थीं। जन्त को द ट्रेटर्स में खूब पसंद किया गया है। अब उनकी दोस्त रीम ने इस शो में हिस्सा लेने की इच्छा जाहिर की है। साथ ही, रीम ने ये भी बताया क्यों वो बिग बॉस का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। रीम ने कहा कि अगर वो बिग बॉस में जाएंगी तो बिग बॉस वाले उन्हें खुद बाहर निकाल देंगे या वो उन्हें फिनले तक ले जाएंगे। हिंदी रश के साथ बातचीत में रीम शेख ने बताया कि उन्होंने अमेजन प्राइम वीडियो का द ट्रेटर्स देखा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जन्त की वजह से द ट्रेटर्स देखना शुरू किया था, लेकिन बाद में उन्हें शो में दिलचस्पी आने लगी। रीम से पूछा गया कि अगर उन्हें मौका मिला तो क्या वो द ट्रेटर्स में जाएंगी। इस सवाल पर बिना सोचे

कहा-अगर मैं गई तो वो खुद निकाल देंगे

रीम ने कहा कि हां, वो शो का हिस्सा बनना चाहेंगी इसके बाद रीम शेख से पूछा गया कि फिर उन्होंने बिग बॉस क्यों रिजेक्ट किया? इस पर रीम शेख ने कहा, 'यार मैं ना बिग बॉस के लिए बनी नहीं हूँ। मैं ये सबको कहती हूँ। दो ही चीजें हो सकती हैं अगर मैंने वो शो किया, या तो मैं बैठ के बहुत रोउंगी या तो मैं बहुत झगड़ा करूंगी। मेरा कुछ बीच में नहीं होता है। या तो मैं बैठ के बहुत रोने लग जाउंगी, इतना रोउंगी कि वो मुझे खुद बाहर निकाल देंगे या तो फिर मैं इतना झगड़ा करूंगी कि मुझे निकालेंगे नहीं, मुझे लास्ट तक रखेंगे, तो दो ही चीजें हो सकती हैं।

शारवरी आत्मविश्वास और स्टाइल के साथ नायका में हुई शामिल

बॉलीवुड की उभरती अभिनेत्री शारवरी का भारत के अग्रणी ब्यूटी और लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन नायका ने अपने नए ब्रांड आइकन के रूप में गर्मजोशी से स्वागत किया है। शारवरी का सहज आत्मविश्वास, आधुनिक और ट्रेंडी स्टाइल, और युवाओं के बीच बढ़ती लोकप्रियता उन्हें नई पीढ़ी की सच्ची प्रतिनिधि बनाती है। उनकी ऊर्जावान उपस्थिति देशभर की सौंदर्यप्रेमी महिलाओं को प्रेरित करेगी। आज सौंदर्य के मायने वैश्विक स्तर पर बदल रहे हैं और भारत इस बदलाव के केंद्र में है। अब सौंदर्य केवल दिखावे तक सीमित नहीं रहा, यह अभिव्यक्ति, समावेशिता और जुड़ाव का माध्यम बन गया है। इन मूल्यों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है नायका, जो सिर्फ एक ब्यूटी डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक शक्ति है। शारवरी जैसे नए चेहरे को शामिल करना इस

बात की पुष्टि करता है कि नायका का सौंदर्य को जोड़ने, सशक्त करने और प्रेरित करने पर दृढ़ विश्वास है, भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर। अंशित नायर, एजीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ, नायका ब्यूटी ने कहा, शारवरी की ईमानदारी और बढ़ती प्रभाव उन्हें आधुनिक नायका ग्राहकों के लिए एक सशक्त आवाज बनाता है — ऐसे ग्राहक जो अपने सौंदर्य अनुभव में अर्थ, प्रेरणा और व्यक्तित्व खोजते हैं। शारवरी ने इस अवसर पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, नायका की ब्रांड आइकन बनना मेरे लिए बेहद खुशी और गर्व का विषय है। मेरे लिए नायका हमेशा एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म रहा है जहां मेरे पसंदीदा ब्रांड्स आसानी से उपलब्ध हैं। इसलिए नायका परिवार का हिस्सा बनना मेरी व्यक्तिगत सौंदर्य यात्रा की स्वाभाविक प्राप्ति जैसा लगता है।

सलमान खान ने इस ट्रिक से छोड़ी थी शराब

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को जब शराब की लत लग गई थी तब उन्होंने इससे पीछा छुड़ाने का एक कमाल का तरीका सोचा। सलमान खान के करियर का एक दौर था जब वो काफी शराब पीने लगे थे, लेकिन सलमान खान ने किसी तरह का ट्रैटमेंट लेने की बजाए इसे सेल्फ कंट्रोल से छोड़ने का तय किया। सलमान खान ने अपनी हेल्थ को इससे होने वाले नुकसानों को ध्यान में रखते हुए अपनी विल पावर से शराब पर इतना कंट्रोल पा लिया कि उनका मन ही खत्म हो जाए। सलमान खान का जब भी शराब पीने का मन करता तो वह ग्लास में शराब डालते और सामने मेज पर रख दिया करते। वह शराब को सामने ग्लास में रखते लेकिन एक भी सिप नहीं लेते थे। IMDB के मुताबिक सलमान खान वो ग्लास तब तक सामने रखे रहते जब तक उनका मन करना बंद नहीं हो जाता। सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो 100 करोड़ क्लब में जाने वाली बैक टू बैक 13 फिल्मों देने वाले इकलौते बॉलीवुड एक्टर हैं। सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर थी जो बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी। हाल ही में सलमान खान की नई फिल्म 'टैल ऑफ गलवान' का पोस्टर रिलीज किया गया है, फिल्म में सलमान खान लीड रोल प्ले करते नजर आएंगे और वहीं इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी होंगे। सलमान खान की इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया जा चुका है, अब देखना यह है कि फिल्म का टीजर वीडियो कब रिलीज किया जाता है। इसके अलावा सलमान खान की फिल्म 'टाइगर वसेज पठान' भी काफी वक्त से चर्चा में है, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान पहली बार साथ काम करने नजर आ सकते हैं।

पायल संग अलग होने पर बोले संग्राम सिंह

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस पायल रोहतगी बिग बॉस का हिस्सा नहीं हैं। पायल अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्हें अक्सर सोशल मीडिया पर किसी न किसी मुद्दे पर अपनी राय रखते देखा जाता है। पायल ने पहलवान और मोटिवेशनल स्पीकर संग्राम सिंह से शादी की है। इन दिनों पायल और संग्राम अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुखियों में हैं। दोनों के अलगाव की खबरें सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। ऐसे में अब संग्राम सिंह ने तलाक की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। संग्राम सिंह ने पायल रोहतगी के साथ तलाक की अफवाहों का खंडन किया है। अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर, संग्राम सिंह ने इन अटकलों पर चुप्पी तोड़ी है। संग्राम ने कहा, 'उनके और पायल के बीच तलाक का कोई सवाल ही नहीं उठता। हम दोनों 14 साल से साथ हैं और आगे भी साथ ही रहेंगे। मैं अपना पूरा ध्यान अच्छे काम पर लगाता हूँ। मैं तलाक की इन बातों पर ध्यान नहीं देता और मैं सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें।' हाल ही में पायल ने पति संग्राम सिंह के के चैरिटेबल फाउंडेशन के डायरेक्टर की पोस्ट से इस्तीफा दे दिया है। इस बात की जानकारी पायल ने फैंस के साथ सोशम मीडिया पर शेयर की है।

इस खबर पर भी संग्राम ने रिएक्ट करते हुए कहा, 'यह पायल जी का निजी फैसला है और मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूँ। हम दोनों का काम के प्रति अलग-अलग नजरिया है। ऐसे में पायल जी ने जो भी सोचा होगा, उन्होंने अच्छे के लिए ही किया होगा। मैं उन्हें नहीं रोक्का। वह अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। यहां कोई गलत नहीं है।'

माता-पिता बनने वाले हैं राजकुमार और पत्रलेखा

बॉलीवुड गलियारे से एक खुशखबरी आ रही है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की तरह राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर भी नन्हें कदम दस्तक देने वाले हैं। कपल ने हाल ही में प्रेनेसी अनाउंस की है। 19 जुलाई, 2025 को प्रेनेसी की घोषणा करते हुए कपल ने इंस्टा पर पोस्ट शेयर की। उन्होंने नवंबर 2021 में शादी की थी। अब लगभग चार साल बाद कपल मम्मी-पापा बनने वाले हैं। पोस्ट में कपल ने लिखा, 'रखी आने वाला है। यह अनाउंसमेंट तुरंत वायरल हो गई और कई सेलेब्स कपल को बधाई भरे संदेश भेजने लगे। सोनाक्षी सिन्हा, नुसरत भरुवा, पुलकित सम्राट, ईशा गुप्ता, भूमि पेडनेकर, मानुषी खिल्लर, हुमा कुरेशी और फराह खान सहित अन्य लोगों ने अपने बधाई संदेश कपल तक पहुंचाए।

दो फिल्मों और एक क्राइम वेब सीरीज का निर्देशन करेंगे राजेश

हाल ही में लेखक - निर्देशक राजेश की चर्चित शॉर्ट फिल्म पहलगाम का प्रीमियर इम्प्या, अंधेरी में किया गया। इसके बाद राजेश को दो फिल्मों और एक वेब सीरीज के निर्देशन का जिम्मा सौंपा गया है। फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। दोनों फिल्मों में पूजा शाह मुख्य भूमिका निभाएंगी। एक नारी प्रधान फिल्म होगी जिसके निर्माता डी सी देवगन हैं। फिल्म के हीरो और बाकी कलाकार के चयन होने वाला है। फिल्म मार्च 2026 को पूरे देश के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दूसरी फिल्म की कहानी और एक्टर्स पर विचार चल रहा है। राजेश ने बताया कि उन्हें एक क्राइम वेब सीरीज

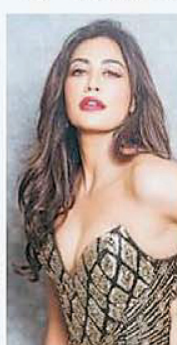


मिली है जो डॉन के इर्द गिर्द घूमेगी। वेब सीरीज के पार्ट 1, पार्ट 2, पार्ट 3 होंगे। इसके निर्माता भी डी सी देवगन होंगे। डॉन वेब सीरीज बहुत जल्द शुरू होगी। इसके अलावा राजेश अपने प्रोडक्शन के बैनर तले एक सस्पेंस थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री बना

रहे हैं जिसके लेखक और निर्देशक राजेश स्वयं होंगे। उसमें लीड रोल पंकज मेहता निभाएंगे। बता दें कि राजेश द्वारा लिखित उपन्यास लव का नो फूल स्टॉप विटान मर्डर केस जाबांज कातिल अमेजन पर उपलब्ध है। एक्टर पंकज मेहता का मानना है कि सस्पेंस थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री में राजेश की अच्छी खासी पकड़ है जो लीक से हटकर है। हालांकि पंकज दुखी होते हुए कहते हैं कि बॉलीवुड ने उनकी प्रतिभा को पहचाना नहीं। इन्हें बहुत पहले ही सफलता मिल जानी चाहिए थी। देर से ही सही लेकिन अबकी बार एक अच्छी शुरुआत के लिए राजेश भगवान को सारा श्रेय देते हैं।

सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' को मिल गई हीरोइन

सुपरस्टार सलमान खान की अपकमिंग मूवी बैटल ऑफ गलवान का हाल ही में एलान हुआ है। इस बहुचर्चित वॉर ड्रामा मूवी को लेकर इस वक्त चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है, खासतौर पर फिल्म में सलमान का खतरनाक फर्स्ट लुक हर किसी को प्रभावित कर रहा है। अब खबर आ रही है कि बैटल ऑफ गलवान के मेकर्स की लीड एक्ट्रेस के लिए जो तलाश थी, वो पूरी हो गई है। सलमान खान के साथ इस मूवी में अभिनेत्री विद्या सिंह नजर आएंगी।



10वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स मराठी 2025 की नॉमिनेशन सूची हुई रिलीज

फिल्मफेयर ने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स मराठी 2025 के 10वें एडिशन की घोषणा कर दी है। इस बार के आयोजन के साथ फिल्मफेयर अवॉर्ड्स, मराठी सिनेमा की बेहतरीन प्रतिभाओं को सम्मानित करने का एक दशक पूरा करने जा रहा है। इस 10वें एडिशन के लिए टाइम्स ग्रुप ने सिनेमा के सम्मान से जुड़ी एक शानदार रात को संजोया है जिसमें एंटरटेनमेंट और यादगार लम्हे देखने को मिलेंगे। यह भव्य अवॉर्ड नाइट 10 जुलाई 2025 को मुंबई के होटल सहारा स्टार में होगी। इस आयोजन में 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच रिलीज हुई फिल्मों और बेहतरीन परफॉर्मंस को अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस साल के अवॉर्ड्स में 'पानी' फिल्म 18 नॉमिनेशन के साथ सबसे आगे चल रही है। इस फिल्म को बेस्ट फिल्म, बेस्ट



डाइरेक्टर, और बेस्ट एक्टर जैसी कैटगरी में नॉमिनेशन मिले हैं। 16 नॉमिनेशन के साथ 'फुलवन्ती' इसके मुकाबले में खड़ी है और इस फिल्म से प्राजक्ता माली बेस्ट एक्टर (फ़ीमेल) के लिए दावेदारी कर रही हैं। 'घरत गणपती' भी 12 नॉमिनेशन के साथ इस टॉप में अपना दम दिखा रही है। इस साल जो शानदार परफॉर्मंस दर्शकों को देखने को मिली हैं उनमें आदिनाथ एम. कोठारे को कई भूमिकाओं के लिए नॉमिनेशन मिला है। उन्हें 'पानी' के लिए बेस्ट एक्टर (मेल), बेस्ट डाइरेक्टर और बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) कैटगरी में नॉमिनेशन मिले हैं। उन्हें मुख्य और क्रिटिक्स की पसंद दोनों ही कैटगरी में चुना गया है। बेस्ट एक्ट्रेस कैटगरी में मुकाबला और भी ज़्यादा दिलचस्प और कड़ा है क्योंकि इस

कैटगरी में मुक्ता बर्वे (नाच गा घुमा), साई ताम्हणकर (श्रीदेवी प्रसन्न), और प्राजक्ता माली (फुलवन्ती) ने शानदार परफॉर्मंस दी है। इसके अलावा, बेस्ट एक्ट्रेस के लिए क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड के लिए फिल्म से प्राजक्ता माली रुचा वैद्य के बीच मुकाबला है। इस अवॉर्ड नाइट को अमेय वाघ और सिद्धार्थ चांदेकर की शानदार जोड़ी होस्ट करेगी। इन दोनों की एनर्जी कमाल की है और ये साथ मिलकर किसी भी कार्यक्रम में रंग जमा देते हैं और शुरू से लेकर आखिर तक दर्शकों का पूरा मनोरंजन करते हैं।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी ने एकता कपूर को बना दिया टीवी की क्वीन

एकता कपूर का शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी टीवी पर वापसी करने जा रहा है। एकता कपूर टीवी इंडस्ट्री की क्वीन के नाम से प्रसिद्ध हैं। आज हम आपको एकता कपूर की उन टीवी सीरियल्स के नाम बता रहे हैं जिन्होंने उन्हें टीवी की क्वीन बना दिया। हम पांच वो टीवी सीरियल हैं जिससे एकता कपूर ने टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। यह शो साल 1995 में शुरू हुआ था। वहीं, साल 2006 तक इस शो ने टीवी पर राज किया था। इस टीवी सीरियल की आईएमडीबी रेटिंग 8.1 है। यह शो हिंदी टीवी सीरियल्स के



सबसे फेमस शो में से एक था। इस सीरियल के किरदारों के नाम आज भी लोगों को याद हैं। इस शो से श्वेता तिवारी को घर-घर में प्रेरणा के रूप में पहचान मिली। वहीं, कर्मांतिका एक आइकॉनिक वैम का किरदार बना। सीरियल

साल 2001 से 2008 तक दर्शकों का मनोरंजन करता रहा। सीरियल की रेटिंग 3.1 है। राजीव खंडेलवाल और आमना शरीफ का टीवी सीरियल कहीं तो होगा ने 2003 से 2007 के बीच दर्शकों का मनोरंजन किया। सृजल और कशिश की लव स्टोरी उस समय धूम मचा रही थी। शो की आईएमडीबी रेटिंग 4.7 है। एकता कपूर के सीरियल कुटुम्ब में हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान लीड रोल में नजर आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस शो पर दोनों के प्यार की शुरुआत हुआ थी। उन दिनों की टीआरपी रस में इस सीरियल का दबदबा होता था। इस सीरियल ने 2001 से 2003 के बीच दर्शकों का मनोरंजन किया। शो की टीआरपी 4.4 है।

मुख्य मार्ग सहित गलियां भी कर रही हलाकान

कीचड़-गड्ढों से नागरिक हलाकान, कॉलोनियों में भी गिर रहे राहगीर

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश का नतीजा यह हुआ है कि इस समय पूरा शहर कीचड़ और गड्ढों से अटा पड़ा है। इसका मूल कारण सड़कों की दुर्दशा और उन पर भी चल रहा काम है लेकिन मुख्य मार्ग से लगी हुई छोटी-छोटी कॉलोनियों तक में हालात खराब हैं। नतीजा दुर्घटनाओं में वृद्धि होती जा रही है। बात यदि ग्वारीघाट मेन रोड पर की जाए तो यहां अमृत जलम योजना की पाइप लाइन बिछाने सड़क पिछले कई दिनों से खुदी पड़ी है। यदि दमोहनाका चौक

का नजारा देखा जाए तो यहां एलिवेटेड कॉरीडोर का अंतिम चरण का काम पिछले कई दिनों से चल रहा है जिसके चलते नीचे सड़क पर खुदाई हुई पड़ी है जो आगे गोहलपुर तक रास्ता खराब कर रही है। इसी तरह घमापुर-रामलीला मैदान वाली सड़क पर स्मार्ट फोर लेन का काम कहने को हो चुका है लेकिन सड़कों पर गड्ढे अब भी जस के तस हैं। इसी तरह मालगोदाम चौराहे वाली सड़क अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है जबकि वहां भी कुछ दिन पहले तक नगर-निगम द्वारा काम किए जाने का दावा कर रहा था।



दोनों तरफ बेहाल हो रहे राहगीर

इधर इस ओर शिवनगर हो या उखरी चौराहा या फिर यादव कॉलोनी हो अग्रवाल कॉलोनी या स्नेहनगर का क्षेत्र कॉलोनियों के भीतर की सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं। दमोहनाका-बल्देवबाग क्षेत्र में तो निर्माणधीन फ्लाईओवर (एलिवेटेड कॉरीडोर) के नीचे सर्विस रोड तक बेहाल पड़ी है जबकि इसे वैकल्पिक रूप से उपयोग किया जाना है। हैरानी की बात यह है कि ना तो नगर-निगम इस बाबत कोई एक्शन ले रहा है ना ही लोक निर्माण विभाग को इससे सरोकार है। उस पर से अभी 15 जुलाई तक रास्ता बंद होने के कारण लोगबाग आसपास की कॉलोनियों से निकलने का प्रयास करते हैं तो वहां की सड़कें पहले ही बदहाल हैं।



कॉलोनियों में अलग बेहाल हो रहे

इसी तरह यदि मुख्य मार्गों से लगी हुई कॉलोनियों की सड़कों पर नजर डाली जाए तो चाहे दमोहनाका के आसपास सरस्वती कॉलोनी हो, पारिजात बिल्डिंग के पीछे का हिस्सा हो, पंजाब बैंक कॉलोनी हो, शांति नगर हो या विजय नगर क्षेत्र हो सब जगह हालत खराब हैं। इसी तरह धनवंतरिनगर, मेडिकल से लेकर संजीवनी नगर से कछपुरा ओवर ब्रिज की सड़क उधड़ती जा रही है। इसी तरह माढ़ोताल क्षेत्र से लगी हुई वैध-अवैध कॉलोनियों का रास्ता तो नर्क से बदतर हो गया है। बाबा बर्फानी की ओर जाने वाली सड़क, मंदर टेरासा नगर की ओर जाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो गया है।

ठेकेदार के सफाई कर्मचारी ने रेलवे टिकट विंडो में यात्रियों को लगा रहे चूना

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर-1 पर स्थित रेलवे पार्सल कार्यालय में रखा हुआ लीज का माल चोरी करने वाले ठेकेदार के सफाई कर्मचारी को आरपीएफ ने बगैर देरी किये पकड़ लिया है। चोर के पास से चोरी किया हुआ 40 किलो वायर भी बरामद कर लिया है। भारतीय रेलवे में जब से ठेका प्रथा का बोलबाला बढ़ा है तब से आरपीएफ के लिए रेल संपत्ती की सुरक्षा की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। हाल ही में पार्सल कार्यालय में रखे हुए लीज के माल की सफाई कर्मचारी द्वारा चोरी किये जाने की घटना ने यह साबित कर दिया है कि ठेका प्रथा के तहत होने वाले कार्य आरपीएफ के लिए किस तरह से मुसीबत बनते जा रहे हैं। आरपीएफ सूत्रों की मानें तो आरपीएफ जब भी ऐसे किसी रेलवे ठेकेदार

को चोरी के मामले में पकड़ लेती है तब ठेकेदार का आरपीएफ के लिए वही टका सा जबाब रहता है कि जिसे आरपीएफ ने पकड़ा है उसे हम एक दिन पहले ही काम से निकाल चुके हैं। जबकि होना यह चाहिए कि रेलवे ठेकेदार जब भी किसी कर्मचारी को काम पर रखे या काम से निकाले इसकी सूचना आरपीएफ तक पहुंचना चाहिए। 40 किलो वायर चोरी करने वाले सफाई कर्मचारी के साथ भी वही बात लागू हो गई कि जब आरपीएफ ने उसे 10 जुलाई 2025 को पकड़ा तो ठेकेदार ने सफाई देते हुए कह दिया कि हमने उसे 9 जुलाई को ही काम से निकाल दिया है। ठेकेदारों की इस बदमाशी की वजह से आरपीएफ की कार्रवाई कहीं न कहीं कमजोर पड़ जाती है और ठेकेदार चोर उचककों को काम पर रखने में सफल हो जाते हैं। बताया जाता है कि चोरी गया वायर आईएसआई कॉर्पोरेशन का रहा है।

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय के प्रमुख रेलवे स्टेशन जबलपुर के टिकट विंडो में चिल्लर न होने का बहाना बनाकर यात्रियों को किस तरह से बेवकूफ बनाकर उन्हें लूटा जाता है इसकी असलियत यदि देखना हो तो प्लेटफार्म नम्बर-6 के टिकट विंडो में जाकर देखा जा सकता है। यहां पर बुकिंग क्लर्कों द्वारा न सिर्फ खुल्ले पैसे न होने का बहाना बनाकर लगभग हर यात्री से उनके पांच से दस रुपये रख लिये जाते हैं बल्कि गांव देहात के सीधे सादे यात्रियों से ज्यादा किराया बताकर पैसे ऐंठे जा रहे हैं। इस तरह का कारनामा सबसे अधिक डाउन साइड के टिकट विंडो में हो रहा है, जहां पुरुषों की अपेक्षा महिला बुकिंग कर्मियों की तरफ



से इस तरह की शिकायतें ज्यादा आ रही हैं। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर कार्यरत स्टाॅल में काम करने वाले एक वेंडर ने बताया कि उसे अपने परिवार के

चार सदस्यों के साथ गोसलपुर जाना था। वेंडर द्वारा बताया गया कि गोसलपुर तक की यात्रा का किराया 10 रुपये प्रति यात्री होता है। वेंडर ने चार टिकटों के लिए

बुकिंग क्लर्क को 50 रुपये का नोट दिया जहां बुकिंग क्लर्क ने 10 रुपये चिल्लर न होने का बहाना बनाते हुए दस रुपये का नोट रख लिया। जब वेंडर ने दस रुपये वापस मांगे तो महिला बुकिंग क्लर्क ने टिकट वापस लेकर यात्री को पचास का नोट वापस किया और कहा जाओ चिल्लर लेकर आओ। बेचारा यात्री मजबूरी में क्या करता उसे 10 रुपये काउंटर पर छोड़कर यात्रा पर जाना पड़ा। ऐसे और भी मामले हैं जहां यात्रियों को चिल्लर के नाम पर सरे आम चूना लगाया जा रहा है। कुछ शिकायतों तो यात्रियों से निर्धारित किराए से ज्यादा किराया ले लिए जाने की भी आ रही हैं। यदि सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अध्ययन किया जाए तो सब कुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो सकता है।

मण्डला की 40 इंच बरसात ने बरगी डेम को भरपूर खुराक

कैचमेंट में इस बार अच्छी बरसात, मंगलवार को भी खुले रहे गेट

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पड़ोसी जिला मण्डला, डिण्डोरी और कैचमेंट में इस बार अच्छी बारिश ने बरगी डेम को भरपूर खुराक दी। आलम यह रहा कि इस बार जुलाई में ही डेम के 17 गेट 3.5 मीटर तक खोलना पड़ गए। मानसूनी सिस्टम पश्चिमी मग्न तरफ खिसक जाने से हाल-फिलहाल डेम में पानी की आवक कम हुई है, किंतु अब भी डेम के 5 गेटों से पानी छोड़ा जा रहा है। मंगलवार सुबह डेम के 5 गेट आधा मीटर तक खोलकर पानी की निकासी की जा रही थी। मौसम विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि इस बार मण्डला में एक जून से 15 जुलाई तक 999.5



मिलीमीटर (39.35 इंच) पानी गिरा है। बरगी डेम फ्लड कंट्रोल प्रभावी आरआर रोहित के अनुसार डेम में पानी की आवक कम जरूर हुई है, किंतु यह

अब भी छोड़े जा रहे पानी की मात्रा से अधिक है। डेम के जलस्तर को नियंत्रित करने पानी छोड़ने का क्रम जारी है। अब गेटों की ऊंचाई को कम कर दिया

गया है, पर कैचमेंट में संग्रहित को रहे पानी के कारण इसे अभी बंद करने के चांस नहीं हैं। इधर मौसम विदों ने आगामी 17 जुलाई ने नए सिस्टम से भारी बारिश की उम्मीद है। स्थानीय मौसम वेधशाला से मिली जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसके 17 जुलाई से पूर्वी मग्न में प्रभावी होने के आसार हैं, तक तक लोकल सिस्टम की दोपहर बाद वाली बारिश का क्रम जारी रहेगा। मंगलवार सुबह तक 573.2 मिलीमीटर (22.56 इंच) पानी गिर चुका है, जबकि बीते साल यह आंकड़ा 258.2 मिलीमीटर (10.16 इंच) तक ही पहुंच सका था।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें

सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

सुधा

मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
एण्ड हाई रिस्क प्रेग्नेन्सी सेंटर

837, गोल बाजार, जबलपुर, 9111014804
All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996	ACST	Tally	नए वैध प्रारम्भ 40% छूट
	PYTHON	JAVA C, C++ CPCT	
बौपादी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707			

J I C S	माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध	प्रवेश प्रारंभ
	M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY	
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस		
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर PH.:0761-4066631 Mo.:9827200559, 9893322108		

यश नर्सरी हा. से. स्कूल	Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष	सर्व वयस्क स्कूल सुविधा उपलब्ध
9वीं/11वीं फेल/पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12वीं क्लास में	English & Hindi Medium
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/CSE से	नोट- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों को साथ-साथ कमजोर बच्चों की बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक जॉइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर सम्पर्क:- 9303580611, 6263988587, 7987974850, 0761-2680811 (समय-सुबह: 8 से शाम-4 तक)	



ढाबा- टपरो में चल रहा देह व्यापार

ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर की शिकायत

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

नेशनल हाइवे 34 पर बरगी थाना के अंतर्गत ग्राम हुल्की रमनपुर में बने ढाबों एवं टपरे नुमा दुकानों में बड़े पैमाने पर देह व्यापार चल रहा है। उक्ताशय की शिकायत बरगी थाने पहुंचकर ग्रामीणों ने की है। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि नेशनल हाइवे 34 पर कालादेही से लेकर रमनपुर घाट

तक ऐसे कई ढाबे और टपरे बने हुए हैं। जहां अवैध शराब, अवैध देह व्यापार से लेकर चोरी का डीजल पेट्रोल तक का व्यापार किया जा रहा है। इन जगहों पर अन्य प्रदेशों की महिलाएं एवं लड़कियां आकर अवैध रूप से रोड किनारे कब्जा कर देह व्यापार कर रही हैं। जिससे आसपास का माहौल बहुत अधिक खराब हो रहा है।

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

माढ़ोताल थानाक्षेत्र में मोपेड सवार बदमाशों ने युवक का मोबाइल छीन लिया और वहां से भाग निकले। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि गोल्डन टाउन में रहने वाले राकेश कुमार विश्वकर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने घर से पैदल फोन पर बात करते हुए जा रहा था। तभी बस स्टैंड के पास मोपेड सवार दो युवक पहुंचे और पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। इससे



पहले कि राकेश कुछ समझ पाता, मोपेड चालक ने तेज रफ्तार से वाहन चलाई और वहां से भाग निकले। पुलिस

क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।